दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

हाथ–पैरों को मजबूत कर सकती ...8

सिद्धार्थनगर
मंगलवार, 28 अप्रैल 2026
वर्षः 13 अंक : 129 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

यूएई में बैठे थे अजीत डोभाल, इजराइल पर होश उड़ाने वाला ऐलान!

भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल जिस वक्त संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहियान से मुलाकात कर रहे थे। उसी वक्त कुछ ऐसा हुआ जो 77 सालों में पहली बार हुआ है। खबर है कि इजराइल ने इतिहास में पहली बार अपने एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम को संयुक्त अरब अमीरात की सुरक्षा में खड़ा कर दिया है। यह पहला मौका है जब 77 सालों में इजराइल ने अपने किसी एक्टिव एयर डिफेंस सिस्टम को किसी दूसरे देश की सुरक्षा में खड़ा कर दिया। इजराइल ने सुन्नी संयुक्त अरब अमीरात को शिया ईरान से बचाने के लिए अपना आयरन डोम तैनात कर दिया। यानी ईरान जंग के बीच भारत संयुक्त अरब अमीरात की कूटनीतिक मदद कर रहा है। वहीं इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात को अपने हथियारों से बचा लिया है। आपको बता दें कि संयुक्त अरब अमीरात की सुरक्षा के लिए भारत और इजराइल का खड़ा होना कोई सहयोग नहीं बल्कि बहुत बड़ा प्रयोग है। इस खबर ने ईरान, पाकिस्तान और पाकिस्तान से डिफेंस डील करने वाले सऊदी अरब को कुछ हद तक हिला कर रख दिया है। सऊदी अरब की सुरक्षा में पाकिस्तान की चवन्नी छाप सेना खड़ी है तो वहीं संयुक्त अरब अमीरात में इजराइल ने हथियार उतार दिए हैं।

मतुआ समुदाय को नागरिकता का वादा

मोदी बोले– पश्चिम बंगाल में सिंडिकेट राज और घुसपैठ करेंगे खत्म

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्वास जताया कि विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा पश्चिम बंगाल में अगली सरकार बनाएगी और चार मई को परिणाम घोषित होने के बाद वह शपथ ग्रहण समारोह के लिए फिर आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के तहत प्रचार के आखिरी दिन उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उस पर सिंडिकेट राज चलाने, राजनीतिक हिंसा करने और राज्य में आर्थिक पिछड़ेपन का आरोप लगाया।

मोदी ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में मैंने जो माहौल महसूस किया है, उससे मैं कह सकता हूं कि चार मई के बाद भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुझे फिर से आना होगा।'' इस पर भीड़ ने जोरदार तालियां बजाईं। बैरकपुर के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इस भूमि ने

1857 में भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अब यह पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन का आधार तैयार कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के समग्र विकास के लिए पश्चिम बंगाल की प्रगति आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि पूर्वी क्षेत्र का उदय देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल की सेवा करना, उसे सुरक्षित रखना और उसे बचाना मेरी नियति और कर्तव्य है।'' पड़ोसी राज्यों में भाजपा की जीत का उदाहरण देते हुए मोदी ने कहा, ''ओडिशा और बिहार के बाद इस बार पश्चिम बंगाल में भी कमल खिलेगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने अपने मूल नारे ''मां, माटी, मानुष'' की अवहेलना की और राज्य के विकास के लिए उसके पास कोई दूरदृष्टि नहीं है। उन्होंने कहा, ''तृणमूल के पास पश्चिम बंगाल के विकास के लिए कोई दूरदृष्टि नहीं है।'' उन्होंने दावा किया कि राज्य में उद्योग बंद हो रहे हैं जबकि अपराधियों के गिरोह फल–फूल रहे हैं। मोदी ने कहा, ''एक तरफ मिलें बंद हो रही हैं तो दूसरी तरफ कच्चे बम बनाने के कारखाने खुल रहे हैं, जिनमें गुंडों को काम पर रखा जा रहा है और तृणमूल का गिरोह फैल रहा है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ताधारी दल पर शासन करने के बजाय गाली–गलौज और धमकियों का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''तृणमूल की एकमात्र रणनीति गाली–गलौज करना, धमकियां देना और झूठी बातें फैलाना प्रतीत होती है। उन्होंने मुझे, संवैधानिक संस्थाओं और यहां तक घ्कि सशस्त्र बलों को भी अपने अपमानजनक बयानों से निशाना बनाया है।''

दक्षिण बंगाल के कई जिलों में प्रभावशाली मतुआ समुदाय से संपर्क साधते हुए, मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार सभी पात्र लोगों को नागरिकता और दस्तावेज उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, ''मैं मतुआ समुदाय को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपको नागरिकता मिलेगी और सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे।'' उन्होंने घुसपैठ पर भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि वास्तविक भारतीय नागरिकों की रक्षा की जाएगी और अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

100 प्रतिशत भारतीय एक्सपोर्ट को मिलेगा ड्यूटी–फ्री एक्सेस!

एक ऐसे कदम के तहत जिससे नए एक्सपोर्ट मार्केट खुल सकते हैं

और बिजनेस के नियम आसान हो सकते हैं, भारत और न्यूजीलैंड ने एक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन किया है। इस समझौते पर कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल और दौरे पर आए न्यूजीलैंड के ट्रेड और इन्वेस्टमेंट मिनिस्टर टॉड मैक्ले की मौजूदगी में साइन किए गए। एफटीए न्यूजीलैंड को भारत के 100 परसेंट एक्सपोर्ट के लिए ड्यूटी–फ्री एक्सेस देता है, जिसमें सभी टैरिफ लाइन या प्रोड्यूस कैटेगरी शामिल हैं, और इससे टेक्सटाइल, कपड़े, लेदर, फुटवियर, जेम्स और ज्वेलरी, इंजीनियरिंग सामान और प्रोसेस्ड फूड जैसे लेबर–इंटेंसिव सेक्टर में कॉम्पिटिटिवनेस बढ़ाकर **MSMEs** और रोजगार में काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। केंद्रीय कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा कि यह आगे की सोच वाला एग्रीमेंट भारत में +20 बिलियन के इन्वेस्टमेंट को भी आसान बनाएगा, जिससे ट्रेड, सर्विसेज, इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन, मोबिलिटी, एग्रीकल्चर प्रोडक्टिविटी और एजुकेशन में हमारा सहयोग और गहरा होगा, और स्किल्ड टैलेंट और स्टूडेंट्स के लिए रास्ते बनेंगे।

भारत के लिए एफटीए के फायदे

सभी भारतीय सामान, जिसमें टेक्सटाइल, प्लास्टिक आइटम, लेदर और इंजीनियरिंग सामान जैसे लेबर–इंटेंसिव सेक्टर शामिल हैं, न्यूजीलैंड में जीरो ड्यूटी पर आएंगे, जिसका औसत इंपोर्ट टैरिफ सिर्फ 2.3 परसेंट है। न्यूजीलैंड ने 15 सालों में **USD** 20 बिलियन का इन्वेस्ट करने का वादा किया है। भारत ने IT और IT–इनेबल्ड सर्विस, प्रोफेशनल सर्विस, एजुकेशन, फाइनेंशियल सर्विस, टूरिज्म, कंस्ट्रक्शन और दूसरी बिजनेस सर्विस सहित कई हाई–वैल्यू सर्विस सेक्टर में कमिटमेंट हासिल किए हैं। एफटीए स्किल्ड कामों में भारतीय प्रोफेशनल के लिए एक नए टेम्पररी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा के जरिए स्किल्ड एम्प्लॉयमेंट के रास्ते खोलता है, जिसमें किसी भी समय 5,000 वीजा का कोटा और तीन साल तक का स्टे शामिल है।

न्यूजीलैंड के लिए एफटीए के फायदे

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने ट्रेड एग्रीमेंट में इस्तेमाल किए गए टेम्पलेट को फॉलो करते हुए, 70 परसेंट टैरिफ लाइन (या प्रोडक्ट कैटेगरी) पर मार्केट एक्सेस की पेशकश की है। देश फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू होने के पहले दिन से न्यूजीलैंड के 54.11 परसेंट एक्सपोर्ट को ड्यूटी–फ्री एक्सेस देगा, और इन चीजों में भेड़ का मांस, ऊन, कोयला और कई फॉरेस्ट्री और लकड़ी के प्रोडक्ट शामिल हैं, इस कदम से भारतीय कंज्यूमर्स के लिए ये चीजें सस्ती होने की उम्मीद है। सेब, कीवीफ्रूट, मनुका शहद और एल्ब्यूमिन (मिल्क एल्ब्यूमिन सहित) जैसे खेती के सामान पर ड्यूटी में छूट, लेकिन कोटा और मिनिमम इंपोर्ट प्राइस के साथ।

लद्दाख में अब 7 जिले

एलजी सक्सेना ने 5 नये जिले को दी मंजूरी, बोले– ऐतिहासिक दिन

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने केंद्र शासित प्रदेश में पाँच नए जिलों के गठन की घोषणा की, और इसे इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक

दिन बताया। इसके साथ ही, लद्दाख में अब मौजूदा दो जिलों के बजाय सात जिले हो जाएँगे। मौजूदा दो जिले लेह और कारगिल हैं। एक्स पर एक पोस्ट में एलजी ने कहा कि उन्होंने पाँच जिलों के गठन के लिए अधिसूचना को मंजूरी दे दी है, जिससे लोगों की एक लंबे समय से चली आ रही माँग पूरी हो गई है। स्ळ ने कहा, ष्लद्दाख के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। मैंने लद्दाख में पाँच नए जिलों के निर्माण के लिए अधिसूचना को मंजूरी दे दी है, जिससे लद्दाख के लोगों की आकांक्षाएँ और लंबे समय से चली आ रही माँग पूरी हो गई है। पाँच नए जिलों – नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास – के निर्माण के साथ, लद्दाख में अब मौजूदा दो जिलों के बजाय सात जिले हो जाएँगे।

MHA ने अगस्त 2024 में प्रस्ताव को मंजूरी दी थी

उन्होंने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक विकसित और समृद्ध लद्दाख के विजन के अनुरूप है। इस फैसले को इससे पहले अगस्त 2024 में गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी थी। एलजी सक्सेना ने कहा कि नए जिलों के बनने से जमीनी स्तर पर शासन मजबूत होगा, प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा और सार्वजनिक सेवाओं की तेज डिलीवरी सुनिश्चित होगी, खासकर दूरदराज और दुर्गम इलाकों में। उन्होंने कहा, ष्यह परिवर्तनकारी फैसला, जिसे गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने अगस्त 2024 में ही मंजूरी दे दी थी, जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करेगा, प्रशासन का विकेंद्रीकरण करेगा और लद्दाख के लोगों, खासकर दूरदराज और दुर्गम इलाकों में रहने वालों तक सार्वजनिक सेवाओं की तेज डिलीवरी सुनिश्चित करेगा।

उन दोनों का एक बच्चा है, अब वह रेप का आरोप लगा रही हैं?

लिव–इन रिलेशनशिप पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

भारत के सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक लिव–इन रिलेशनशिप में रेप और मारपीट के आरोपों से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कुछ अहम टिप्पणियां कीं। इस मामले की सुनवाई जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने की। यह मामला एक महिला ने उठाया था, जिसने दावा किया था कि शादी का वादा करने के बाद एक पुरुष ने उसके साथ मारपीट की थी।

सहमति और रिश्ते की प्रकृति पर सवाल

सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने

दोनों व्यक्तियों के बीच के रिश्ते की प्रकृति पर ध्यान केंद्रित किया। कोर्ट ने कहा कि दोनों ही वयस्क थे और सालों तक साथ रहे थे। जस्टिस नागरत्ना ने सवाल उठाया कि एक आपसी सहमति से बना रिश्ता बाद में आपराधिक आरोप में कैसे बदल सकता है। यह एक लिव–इन रिलेशनशिप है। उसने बिना शादी के उस आदमी से बच्चा पैदा किया, और अब वह रेप और मारपीट का आरोप लगा रही है। यह क्या है?ष् जज ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसे मामलों में सहमति को समझना बहुत जरूरी है। जब रिश्ता आपसी सहमति से बना हो, तो अपराध का सवाल ही कहाँ उठता है?

घर में घुसकर एलइटी कमांडर अफरीदी को गोलियों से भूना, खड़े–खड़े देखते रहे मुनीर!

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक अज्ञात हथियारबंद हमलावर ने लश्कर–ए–तैयबा (**LeT**) के एक सीनियर कमांडर शेख अफरीदी की हत्या कर दी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि यह घटना एक सोची–समझी हत्या थी। अफरीदी को स्मज के संस्थापक हाफिज सईद का करीबी माना जाता था और माना जाता था कि वह इस इलाके में संगठन की गतिविधियों की देखरेख में अहम भूमिका निभाता था। अधिकारी अफरीदी के प्रभाव और हमले के हालात को देखते हुए इस हत्या को एक श्टारगेटेड स्ट्राइकश (निशाना बनाकर किया गया हमला) मान रहे हैं। यह घटना पाकिस्तान से काम करने वाले आतंकवादी संगठनों से जुड़े लोगों पर हाल ही में हुए हमलों की कड़ी में एक और कड़ी है। इस महीने की शुरुआत में 16 अप्रैल को लाहौर में स्मज के सह–संस्थापक आमिर हमजा पर भी अज्ञात हमलावरों ने हमला किया था। शुरुआती रिपोर्ट्स में बताया गया था कि 66 साल के यह नेता,

जिन्हें हाफिज सईद के बाद संगठन के सबसे सीनियर लोगों में से एक माना जाता था, गंभीर रूप से घायल हो गए थेय कुछ रिपोर्ट्स में तो यह भी कहा गया कि बाद में चोटों की वजह से उनकी मौत हो गई थी। मार्च में एक और घटनाक्रम में, जैश–ए–मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के भाई मोहम्मद ताहिर अनवर की पाकिस्तान में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की खबर आई। उनकी मौत की पुष्टि संगठन के आधिकारिक टेलीग्राम चौनल पर जारी एक बयान में की गई, जिसमें बहावलपुर स्थित जामिया उस्मान–ओ–अली में उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्थाओं की भी घोषणा की गई।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का शिवपुरी प्रवास के आखरिी दिन जनसंवाद से युवाओं तक सशक्त जुड़ाव

शिवपुरी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने शिवपुरी प्रवास के तीसरे दिन जनसेवा, युवा सशक्तिकरण और शैक्षणिक विकास को एक साथ आगे बढ़ाते हुए दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की। उन्होंने एक ओर जहां जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान किया, वहीं मेधावी विद्यार्थियों और तकनीकी संस्थान के छात्रों से संवाद कर भविष्य की दिशा भी तय की। विदित रहे कि इस दौरे पर केंद्रीय मंत्री ने शिवपुरी जिले को लगभग घ्200 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी है, जो जिले की तस्वीर बदलने में सहायक होंगी। सिंधिया ने शिवपुरी के कोटा क्षेत्र में आयोजित आज की जनसुनवाई में लगभग 782 आवेदनों को सुना। इनमें से कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष लंबित प्रकरणों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक आवेदन को टोकन प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत कर ऑनलाइन ट्रैकिंग से जोड़ा गया है, जिससे हर प्रकरण की पारदर्शी और समयबद्ध समीक्षा सुनिश्चित हो सके। आयुष्मान कार्ड, बीपीएल कार्ड, प्रमाण पत्र, लाड़ली बहना योजना, पीएम आवास योजना पंजीयन तथा विभिन्न जांच संबंधी मामलों पर विशेष रूप से सुनवाई की गई।

मां, माटी, मानुष..ममता बनर्जी ने वोटरों से की खास अपील, बंगाल की पहचान पर दिया जोर

29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में वोटिंग के दूसरे चरण से पहले, तृणमूल कांग्रेस (ज्डब्) के लिए जोरदार प्रचार करते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि श्माँ–माटी–मानुषश की जीत अब कोई अंदाजे की बात नहीं, बल्कि बस समय की बात है। उन्होंने रविवार की पदयात्रा के दौरान लोगों के ष्जबरदस्त उत्साह और सच्ची गर्मजोशीष् के लिए उनका शुक्रिया भी अदा किया। माइक्रो–ब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स पर एक लंबी पोस्ट में, तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकीं ममता बनर्जी ने याद दिलाया कि बंगाल हमेशा से ही सद्भाव, संस्कृति और सभ्यतागत गौरव का प्रतीक रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच्) का जिक्र करते हुए कहा कि इस राज्य में ऐसी फूट डालने वाली और विनाशकारी ताकतों के लिए कोई जगह नहीं है, जो इसकी विरासत को धूमिल करने की साजिश रच रही हैं।

7 आप सांसदों के विलय को सभापति की मंजूरी

राज्यसभा में बढ़ी बीजेपी की ताकत, दो तिहाई बहुमत के करीब पहुँचा एनडीए

राज्यसभा के सभापति ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में विलय को स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही सदन में भाजपा सदस्यों की संख्या बढ़कर 113 हो गयी है जबकि आप सदस्यों की संख्या घटकर तीन हो गयी है। वहीं अब राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की कुल संख्या 141 से बढ़कर 148 तक पहुंच गई है। राज्यसभा सचिवालय द्वारा उच्च सदन में दलों की स्थिति को अपडेट किए जाने के साथ ही यह परिवर्तन आधिकारिक रूप से दर्ज हो गया है। हम आपको बता दें कि यह घटनाक्रम उस समय सामने आया जब कुछ

दिन पहले राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया गया था। इसके बाद उन्होंने और छह अन्य सांसदों ने आम आदमी पार्टी से अलग होने और भारतीय जनता पार्टी में विलय का निर्णय लिया। उनके साथ स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को सातों सांसदों ने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर उन्हें विलय के बाद भाजपा सांसद माने जाने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को राज्यसभा के सभापति को एक पत्र लिखकर दल बदल करने वाले सातों सांसदों की सदस्यता समाप्त करने का अनुरोध किया था। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि उन्होंने सभापति राधाकृष्णन को पत्र देकर उच्च सदन में पार्टी के उन सातों सांसदों को अयोग्य ठहराने का अनुरोध किया

सोनभद्र मेडिकल कॉलेज की अव्यवस्थाओं पर सपा के पूर्व विधायक ने उठाई आवाज, मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद स्थित मेडिकल कॉलेज में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने पत्र के माध्यम से अस्पताल की बदहाल स्थिति को गंभीर बताते हुए मरीजों और उनके परिजनों की परेशानियों को उजागर किया है। पूर्व विधायक ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी सेवाओं में अक्सर बिजली आपूर्ति बाधित रहती है, जिससे गंभीर मरीजों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने 26 अप्रैल 2026 (रविवार) का उदाहरण देते हुए बताया कि उस दिन भी इमरजेंसी वार्ड में बिजली गुल आपूर्ति ठप पड़ी है। इसके रही, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अलावा लेक्चर हॉल में पानी भर जाने से वहां रखा करोड़ों रुपये का सामान खराब होने की स्थिति में पहुंच गया है। मेडिकल कॉलेज के डीसीएच (चाइल्ड हेल्थ सेंटर) में भी अव्यवस्थाओं के चलते मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अविनाश कुशवाहा ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मेडिकल कॉलेज में व्याप्त इन समस्याओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और अस्पताल को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए बिजली, पानी और साफ–सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की गई है।

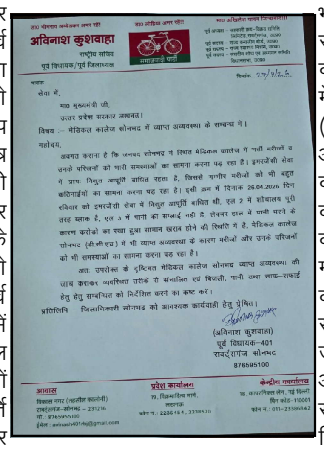

व्यापारिक संगठनों के साथ जिलाधिकारी ने की बैठक'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने व्यापारी बंधुओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने औद्योगिक विकास, भूमि उपलब्धता तथा आधारभूत सुविधाओं से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में औद्योगिक क्षेत्र (इंडस्ट्रियल एरिया) के विकास हेतु शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि इंडस्ट्रियल एरिया स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूमि का चिन्हांकन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, इसके साथ ही संबंधित उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए गए कि वे संभावित भूमि का सर्वे कर ऐसी जमीन चिन्हित करें जो शहरी क्षेत्र के आसपास स्थित हो, ताकि उद्योगों को बेहतर परिवहन, संसाधन एवं बाजार की सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र का सुव्यवस्थित विकास जनपद की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा, इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें तथा औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ठोस कदम उठाएं। इस मौके पर उ0प्र0 उद्योग व्यापार संगठन जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा, प्रशान्त जैन नगर अध्यक्ष, राजेश जायसवाल जिला उपाध्यक्ष, नरेन्द्र मोदनवाल जिला उपाध्यक्ष, धीरेन्द्र जा जायसवाल जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल, श्री कृष्णा सोनी, श्री राजेश गुप्ता जिलाध्यक्ष उ0प्र0 उद्योग व्यापार मण्डल सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अज्ञात वाहन के चपेट में आने से इलाज के दौरान युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के खुटहनिया गाँव निवासी राजकुमार पुत्र तुलसी उम्र करीब 45वर्ष रात करीब 8 बजे गाँव के पास सड़क पर टहल रहे थे किसी अज्ञात वाहन से धक्का लग गया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गये, स्थानीय लोगों ने निजी साधन से वाराणसी ट्रामा सेंटर ले जा रहे थे रास्ते में ही मौत हो गई, लाश को वापस घर ले आकर पुलिस को सुचना दी, मौके पर पहुचीं करमा पुलिस लाश को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाइक के धक्के से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के झकांही मठ के समीप स्थित मोकर्सिम मोड़ के पास रविवार को दोपहर करीब दो बजे आटो से उतरते समय बाइक के धक्के से प्रियांशु पटेल पुत्र तेज बहादुर पटेल उम्र करीब सोलह वर्ष निवासी दुगौलिया थाना शाहगंज गंभीर रूप से घायल हो गया था, जानकारी मिलने पर पहुंची करमा पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल मे भर्ती कारावा था, जिसकी ईलाज के दौरान देर रात जिला अस्पताल मे मौत हो गयी, थाने के उप निरीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि मृतक शादी मे जा रहा था, शाहगंज से आटो मे बैठकर झकाहीं मठ के समीप मोकर्सिम मोड़ पर आटो से उतरते समय तेज रफ्तार से जा रही बाइक के धक्के से गंभीर रूप से घायल हो गया था, सूचना पर पहुंची करमा पुलिस ने गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरन्त जिला अस्पताल मे भर्ती कराया, जहां ईलाज के दौरान किशोर की मौत हो गयी, जिलाअस्पताल पहुंच कर करमा पुलिस ने मृतक प्रियांशु पटेल के शव का पंचनामा की कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लि भेज दिया ।इधर धक्का लगने के बाद सड़क पर गिर कर घायल हुए बाइक सवार दो लड़कों की तलाश की जा रही है जो धक्का लगने के बाद बाइक से गिर गये थे , फिर बाइक लेकर फरार हो गये।

जनता की समस्याओं पर मिली लापरवाही तो क्षम्य नहीं, समय सीमा में करें हर शिकायत का निस्तारण-जिलाधिकारी'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जनसुनवाई कक्ष में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने राजस्व, विकास, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, आवास एवं अन्य जनहित से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक प्रकरण का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखें तथा शिकायतकर्ता को प्रगति की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक अपने–अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर जनसुनवाई करें और आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय से पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिए सभी अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें, ताकि जनता को उनकी समस्याओं से शीघ्र निजात मिल सके और उन्हें योजनाओं का समयबद्ध लाभ प्राप्त हो सके।

तुर्की में अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान हेतु रतन सेन डिग्री कॉलेज के प्राध्यापक का चयन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी, सिद्धार्थनगर।रतन सेन डिग्री कॉलेज, बांसी के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक रितेश कुमार शुक्ल को तुर्की के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया है।यह अंतरराष्ट्रीय स्टाफ वीक कार्यक्रम 11 से 15 मई 2026 के बीच तुर्की में आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न देशों के शिक्षाविद भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में रितेश कुमार शुक्ल को उद्घाटन व्याख्यान देने का विशेष अवसर प्राप्त हुआ है। वे "ग्रामीण कक्षाओं में सकारात्मक मनोविज्ञान तथा प्रथम पीढ़ी के विद्यार्थियों में मानसिक .ढ़ता विकसित करने" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।रितेश कुमार शुक्ल का यह चयन न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि यह रतन सेन डिग्री कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्ता का भी प्रतीक है।इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन, सहयोग और प्रोत्साहन के बिना यह संभव नहीं हो पाता। साथ ही उन्होंने अपने सहकर्मियों एवं महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके सहयोग और समर्थन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में सहायता की।महाविद्यालय परिवार ने रितेश कुमार शुक्ल को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके सफल एवं प्रेरणादायक व्याख्यान की कामना की।

अधिकारों के लिये संघर्ष तेज करें शिक्षक– उदय शंकर शुक्ल

बस्ती। सोमवार को बीआरसी परशुरामपुर पर शिक्षकों की बैठक में संबोधित करते हुये उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा इस कठिन दौर में सभी शिक्षक एकजुट हो और संगठन के बैनर चले संघर्ष करें। कहा कि निकट भविष्य में टेट से मुक्ति, पुरानी पेंशन बहाली, 17140 और 18150 का भुगतान सहित यह सभी मुद्दे संघर्ष से ही सफल होंगे। कहा कि सभी शिक्षक एकजुट होकर दरी पर बैठकर एक साथसंघर्ष करें सफलता अवश्य मिलेगी ।बैठक को ब्लॉक अध्यक्ष नरेन्द्र दुबे, संरक्षक सतीश शंकर शुक्ला, मंत्री राजीव पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, रविंद्र नाथ सहित कई पदाधिकारी ने संबोधित किया । कहा कि इस समय शिक्षक अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, पुरानी पेंशन की बहाली और टेट से मुक्ति के लिये एकजुट होकर संघर्ष की धार को तेज करना होगा।बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी बडकऊ वर्मा, डायट मेनटर अलाउद्दीन तथा सभी एआरपी के साथ ही अरविंद पाण्डेय, भरत राम उपेंद्र पाण्डेय, नवनीत मालवीय, बद्री विशाल, विनय मिश्रा, पूनम देवी, अमिताभ मिश्रा, उर्मिला त्रिपाठी, प्रतिभा निषाद, राम तीरथ जायसवाल, महादेव, धर्मेंद्र, भगवान दास सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

बिना किसी नोटिस के भू माफिया बताकर बीडीए ने ध्वस्त करा दिया चिन्हीकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के जयपुरवा निवासी सुरेन्द्र कुमार चौधरी ने बस्ती विकास प्राधिकरण आरोप लगाया है। पत्रकारों से बातचीत में सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि उन्होंने गाटा सं० 77, 78 जो कि घरसोहिया में स्थित है का बैनामा लिया था जिसका सीमांकन बाउण्ड्री व चिन्हीकरण किया गया था। इस गाटे पर किसी तरह का कोई विवाद नहीं है। 23 अप्रैल 2026 को विकास प्राधिकरण द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के बुल्डोजर से चिन्हांकन को गिरा दिया गया। इस कार्यवाही को विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियन्ता हरिओम द्वारा कराया गया। पूछने पर उन्होंने नोटिस जारी करने की बात कही । जब नोटिस के बारे में पूछा गया तो गाटा संख्या 157/2, 157/3 की नोटिस दिखायी गयी है जिससे सुरेन्द्र चौधरी का कोई लेना देना नहीं है। सुरेन्द्र कुमार चौधरी ने पहले ही गाटा संख्या 77, 78 के ले आउट के सम्बन्ध में आवेदन किया है। उन्होने बताया कि अवैध मांग न पूरी करने के कारण ध्वस्तीकरण की कार्यवाही बिना किसी नोटिस के किया गया है। उन्होने बताया कि उनकी वैध जमीन पर विकास प्राधिकरण द्वारा मनमानी कार्यवाही की गई। इस मामले से उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। उन्हें भू–माफिया बताया जा रहा है। कहा कि वे इस पूरे प्रकरण को जिलाधिकारी के समक्ष ले जायेंगे और यदि बीडीए के दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध समुचित कार्यवाही न हुई तो वे हाई कोर्ट जायेंगे और सम्बंधित पर मानहानि का दावा भी करेंगे।

नव ज्योति स्कॉलर्स एकेडमी के छात्रों ने हाईस्कूल परीक्षा में लहराया परचम

सोनौली महराजगंज ।माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के परिणामों में सोनौली स्थित श्नव ज्योति स्कॉलर्स एकेडमीश के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार सफलता हासिल की है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम उत. ष्ट रहा, जिससे स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। बताते चले की इस वर्ष की परीक्षा में सुमेर पासवान ने 84: अंक प्राप्त कर छात्र वर्ग (ठवले) में विद्यालय टॉप किया है। वहीं, छात्राओं में जनक नंदिनी गुप्ता ने 83: अंकों के साथ बाजी मारते हुए गर्ल्स टॉपर होने का गौरव प्राप्त किया। इन दोनों के साथ ही विद्यालय के अन्य छात्र–छात्राओं ने भी श्रेष्ठ अंक प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है।विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिरीष पाण्डेय ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासित जीवन और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने मेधावी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया।परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में उत्सव जैसा माहौल दिखा। सफल छात्र–छात्राओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। अभिभावकों ने भी प्रधानाचार्य शिरीष पाण्डेय और समस्त शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था की सराहना की।

नगर बाजार में भाजपा ने निकाली महिला आक्रोश रैली: राहुल, अखिलेश का पुतला फूंककर जताया विरोध

बस्ती(आरएनएस)। लोकसभा में नारी वंदन अधिनियम गिरने के विरोध में सोमवार को नगर बाजार में भाजपा ने महिला जनाक्रोश रैली निकाली। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम राना के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने कड़ी धूप के बावजूद मुख्य बाजार में पैदल मार्च किया। महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान और भारत माता की जय का गगनभेदी नारा पूरे बाजार में गूंज उठा। अपने अधिकारों की तख्तियां लिए महिलाओ का तेवर देखते ही बन रहा था। अमर शहीद राजा उदय प्रताप नारायण सिंह प्रतिमा स्थल तिराहे पर पहुंच महिलाओं ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला जला कर आक्रोश व्यक्त किया ।इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक भाजपा महिला मोर्चा की जिला मंत्री मीना पाण्डेय ने कहा कि विपक्षी दल देश में आम महिआओ को राजनैतिक भागीदारी देने के खिलाफ हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष शालिनी मिश्रा और शिवानी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को संसद और विधान सभा में लाकर आधी आबादी का सम्मान बढ़ाना चाहते हैं लेकिन विरोधी पार्टियां इसमें अडंगा लगा रही हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने कहा कि नारी वंदन अधिनियम परिसीमन के साथ लागू किया जाना चाहिए अन्यथा देश की महिलाएं सपा कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर देंगी।

जनगणना पर्यवेक्षकों के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक किया गया आयोजित

गोन्डा जनपद में प्रस्तावित जनगणना– 2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण चार्जों में प्रगणकों तथा पर्यवेक्षकों के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण नगर पंचायत परसपुर,नगर पंचायत धानेपुर, तहसील करनैलगंज तथा तहसील मनकापुर में संपन्न हुआ ।प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनगणना से जुड़े कार्मिकों को मकान सूचीकरण, भवनों के वर्गीकरण,परिवारों की पहचान तथा डेटा संकलन की सटीक प्रक्रिया से अवगत कराना था।इस दौरान प्रतिभागियों को डिजिटल एवं मैनुअल दोनों माध्यमों से जानकारी संकलित करने की विधियों का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही,उन्हें फील्ड में आने वाली संभावित चुनौतियों एवं उनके समाधान के बारे में भी समझाया गया।प्रशिक्षण सत्रों का संचालन अनुभवी फील्ड ट्रेनर्स विपिन चन्द्र वर्मा एवं राखाराम गुप्ता द्वारा किया गया।उन्होंने प्रतिभागियों को जनगणना कार्य की महत्ता,गोपनीयता बनाए रखने की जिम्मेदारी तथा सटीक एवं निष्पक्ष आंकड़ा संकलन के महत्व पर विशेष बल दिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रायोगिक अभ्यास (प्रैक्टिकल सेशन) भी आयोजित किए गए, जिससे प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को वास्तविक परिस्थितियों का अनुभव प्राप्त हो सके।अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जनगणना देश की विकास योजनाओं के निर्माण की आधारशिला होती है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। सभी प्रतिभागियों से अपेक्षा की गई कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ करेंगे।प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।प्रशासन द्वारा आशा व्यक्त की गई कि प्रशिक्षित कार्मिक आगामी जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सीएचसी उतरौला में अव्यवस्थाओं की भरमार, उदासीन बने जिम्मेदार

उतरौला, बलरामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पूरी तरह अव्यवस्था फैली हुई है। तपती दोपहर और गर्मी में मरीजों को पीने तक का पानी भी मयस्सर नहीं है। बाहर बिक रहे सीलबंद पानी खरीदने की विवशता है। पानी की सप्लाई बाधित होने के चलते पैथालॉजी जांच भी प्रभावित हो रहा है क्योंकि स्लाइड्स साफ करने, सैंपल वाले इक्विपमेंट्स की सफाई करने की समस्या हो रही है। सबसे बड़ी समस्या अस्पताल परिसर में फैले दलालों से हो रही है जो मरीजों से जांच, एक्सरे और दवा खरीदने के लिए वसूली कर रहे हैं। अस्पताल में तैनात नियमित चौकीदार भी पूरी तरह वसूली के अवैध .त्यों में लिप्त है। इस समय अस्पताल में औसतन छह से सात सौ मरीजों का हर दिन पंजीकरण होता है लेकिन स्त्री रोग, बाल रोग, ईएनटी जैसे विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति न होने से लोग निराश होकर लौट जाते हैं। जननी सुरक्षा के तहत मिलने वाला लाभ भी दस–दस महीनों से नहीं भेजा जा सका है। अस्पताल परिसर में स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र पर दवाओं की बिक्री इसलिए नहीं हो पा रही है क्योंकि अस्पताल के डॉक्टर कमीशन के लालच में मेडिकल स्टोर पर ही दवाएं खरीदने की सलाह मरीजों को देते हैं जबकि बाहर बिकने वाली दवाओं में से अस्सी फीसदी दवाएं जन औषधि केंद्र पर सत्तर फीसदी छूट पर मिलती हैं। इन अव्यवस्थाओं के बीच मरीजों को इलाज की विवशता है। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर चंद्र प्रकाश सिंह का कहना है कि मोटर जल जाने के कारण पानी की समस्या उत्पन्न हुई है। अस्पताल परिसर में बिचौलियों का प्रभाव कम कराने तथा चौकीदार के उद्दंड रवैये की शिकायत सीएमओ से कर दी गई है। सभी चिकित्सकों को निर्देश दिया जाएगा कि वे जन औषधि केंद्र पर ही दवाएं खरीदने की सलाह मरीजों को अनिवार्य रूप से दें। पैथालॉजी में कुछ किट्स न होने की बात बताई गई है, कमी को दूर कराया जाएगा। जेएसवाई के लाभार्थी लाभ क्यों नहीं पा रहे हैं इसकी जांच कराई जाएगी।

पेट्रोल पंप प्रबंधकों के साथ जिलाधिकारी की बैठक, पारदर्शिता व सुरक्षा पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के पेट्रोल पंप प्रबंधकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद में ईंधन की सुचारु आपूर्ति, कालाबाजारी की रोकथाम तथा आमजन को पेट्रोल–डीजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी पेट्रोल पंप प्रबंधकों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित दरों पर ही ईंधन की बिक्री करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता या जमाखोरी न होने दें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईंधन वितरण में पारदर्शिता बनाए रखें तथा उपभोक्ताओं के साथ शिष्ट व्यवहार करें। किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही "नो हेलमेट, नो पेट्रोल" नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिक मात्रा में ईंधन देने पर भी रोक लगाने और निर्धारित सीमा के भीतर ही बिक्री करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पुलिस को सूचना देने तथा सीसीटीवी कैमरों को क्रियाशील रखने और उनके नियमित निरीक्षण के निर्देश भी दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, जिला पूर्ति अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह सहित संबंधित पेट्रोल पंपों के प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन योजना का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता व निरंतर आपूर्ति के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा विकास खंड नौगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत पारा नानकार में जल जीवन मिशन (हर घर जल) योजना के तहत नवनिर्मित पाइप पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि यह योजना वर्ष 2021–22 में स्वीकृत हुई थी। योजना के अंतर्गत प्रस्तावित 341 गृह जल संयोजनों के सापेक्ष वर्तमान में ग्राम पंचायत के 403 घरों में से 396 घरों को जल संयोजन प्रदान किया जा चुका है। ग्रामवासियों को लगभग एक वर्ष छह माह से नियमित जलापूर्ति की जा रही है। साथ ही दिसंबर 2025 से योजना को संचालन एवं अनुरक्षण में भी शामिल कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान ओवरहेड टैंक (पानी की टंकी), पंप हाउस और बिछाई गई पाइपलाइनों की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने ग्रामवासियों से सीधे संवाद कर यह भी सुनिश्चित किया कि उन्हें पर्याप्त दबाव के साथ शुद्ध पेयजल नियमित रूप से मिल रहा है या नहीं। जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि जल आपूर्ति निरंतर और अबाध रूप से जारी रखी जाए तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जहां कहीं पाइपलाइन में लीकेज या टूट–फूट की शिकायत मिले, वहां तत्काल मरम्मत कार्य कराया जाए, ताकि जल की बर्बादी रोकी जा सके। इस अवसर पर जल निगम के अधिशासी अभियंता संजय कुमार जायसवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

तुर्की में अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान हेतु रतन सेन डिग्री कॉलेज के प्राध्यापक का चयन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। रतन सेन डिग्री कॉलेज, बांसी के लिए गर्व का विषय है कि मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक रितेश कुमार शुक्ल का चयन तुर्की के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय स्टाफ वीक कार्यक्रम 11 से 15 मई 2026 के बीच तुर्की में आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न देशों के शिक्षाविद भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में रितेश कुमार शुक्ल को उद्घाटन व्याख्यान देने का अवसर प्राप्त हुआ है। वे "ग्रामीण कक्षाओं में सकारात्मक मनोविज्ञान तथा प्रथम पीढ़ी के विद्यार्थियों में मानसिक दृढ़ता विकसित करने" विषय पर अपना विचार प्रस्तुत करेंगे। रितेश कुमार शुक्ल का यह चयन न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह रतन सेन डिग्री कॉलेज के शैक्षणिक गुणवत्ता और उत्कृष्ट वातावरण का भी प्रमाण है। इस अवसर पर रितेश कुमार शुक्ल ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, सहयोग और प्रोत्साहन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। साथ ही उन्होंने अपने सहकर्मियों एवं महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए रितेश कुमार शुक्ल को बधाई दी और उनके सफल एवं प्रेरणादायक व्याख्यान की कामना की।

स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग तेज, मोहल्लेवासियों ने जताई चिंता

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद बांसी के प्रतापनगर वार्ड अंतर्गत श्रीवास्तव कॉलोनी मोहल्ले की मुख्य सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग स्थानीय लोगों ने उठाई है। तेज रफ्तार वाहनों के चलते आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, जिससे मोहल्लेवासी चिंतित हैं। स्थानीय निवासी रमेश चंद्र श्रीवास्तव, अशोक कुमार, अनिल कुमार, धीरेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह और नीरज श्रीवास्तव सहित कई लोगों ने बताया कि सड़क निर्माण के समय ही सभासद और ठेकेदार से स्पीड

ब्रेकर बनवाने की मांग की गई थी, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। मोहल्लेवासियों का कहना है कि सड़क पर वाहनों की तेज रफ्तार के कारण खासकर स्कूली बच्चों के लिए खतरा बना रहता है। पास स्थित सरदार पटेल स्कूल के बच्चों को सड़क पार करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएं, ताकि संभावित हादसों को रोका जा सके और लोगों को राहत मिल सके।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम–एसपी ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। होमगार्ड भर्ती परीक्षा के निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने परीक्षा केंद्र जय किसान इंटर कॉलेज, सकतपुर सनई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की चेकिंग, बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कक्ष तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक को निर्देशित किया कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता एवं शुचिता के साथ संपन्न कराई जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि परीक्षा को नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं संतोषजनक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन द्वारा जिला कारागार सिद्धार्थनगर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भोजनालय, बैरकों तथा बंदियों की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण में कारागार की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जेल परिसर में किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री का प्रवेश न हो, इसके लिए कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि कारागार में आने वाले प्रत्येक नए बंदी का स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से जेल चिकित्सकों द्वारा कराया जाए, ताकि उनकी स्वास्थ्य स्थिति का सही आकलन हो सके। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने जिला कारागार अधीक्षक को निर्देशित किया कि नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहें और निरुद्ध बंदियों पर विशेष सतर्क दृष्टि बनाए रखें। उन्होंने यह भी कहा कि समय–समय पर बंदियों की गतिविधियों की जानकारी उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराई जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कारागार स्टाफ उपस्थित रहे।

हाईस्कूल में प्रथम आने पर रवि को मिला संत का आशीर्वाद

बलरामपुर/पचपेड़वा।पचपेड़वा विकास खंड के समाजसेवी

विजयपाल प्रजापति के पुत्र रवि कुमार प्रजापति का यूपी बोर्ड हाई स्कूल में प्रथम श्रेणी प्राप्त होने पर अयोध्या धाम के संत जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी दिनेश चार्य जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।गैसड़ी विधानसभा क्षेत्र के प्रजापति समाज और उनके पिता के इष्ट मित्र ने रवि के उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।अयोध्या धाम के संत ने क्षेत्र में चल रहे श्री राम कथा में आए रवि और उनके पिता को आशीर्वाद दिया।

जनगणना के लिए प्रगणकों को दिया गया प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। नगर पालिका परिषद बांसी के सभागार में सोमवार को जनगणना कार्य के लिए प्रगणकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिशाषी अधिकारी जय प्रकाश सिंह यादव ने जनगणना को अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य बताते हुए कहा कि यह देश की विकास योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन का आधार है।उन्होंने सभी प्रगणकों से अपील की कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और जनगणना कार्य को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक गणना कर्मी की जिम्मेदारी है कि वह घर–घर जाकर सही और सटीक जानकारी एकत्रित करे, ताकि शासन को विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त हो सकें।बताया गया कि जनगणना दो चरणों में सम्पन्न होगी। प्रथम चरण में मकान गणना तथा द्वितीय चरण में जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 7 मई से 21 मई तक ऑनलाइन स्व–गणना की जाएगी। प्रगणक स्व–गणना करने वाले लोगों से सूचना एकत्रित कर पोर्टल पर अपलोड करेंगे।मकानों की गणना के लिए ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर प्रगणक उच्च अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक कमलेश कुमार और अवधेश सिंह ने विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर गिरीश चंद्र पांडेय, रामकुमार, संध्या पांडेय सहित बड़ी संख्या में प्रगणक उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की जलकर मौत, ससुराल पक्ष पर आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी, सिद्धार्थनगर।जनपद के ढेबरुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम संसरी के टोला करूआ में

सोमवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में आग से जलकर मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, राजेंद्र यादव पुत्र झंगरू के पुत्र राजेश यादव की पत्नी मंजू उर्फ लाली की उनके दूसरे मकान के एक कमरे में जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना पर मृतका के मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और ससुराल पक्ष पर महिला को जलाकर मारने का आरोप लगाया।बताया जा रहा है कि घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने जले हुए शव को कपड़े से ढक दिया और कमरे को बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद मायके पक्ष के आने का इंतजार किया गया। घटना के लगभग दो घंटे बाद ढेबरुआ पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाकर स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र करने में जुट गई। समाचार लिखे जाने तक जांच प्रक्रिया जारी थी।घटना के संबंध में मृतका की सास शुभावती ने बताया कि सुबह मंजू उर्फ लाली मंजन करने के लिए एक मकान से दूसरे मकान में गई थी, जहां कुछ ही देर बाद कमरे में आग लग गई। उस समय घर के अन्य सदस्य मौजूद नहीं थे.पति राजेश यादव ट्रैक्टर–ट्रॉली से मिट्टी गिराने गया था, देवर मोहित भैंस चराने गया था तथा ससुर राजेंद्र दूध बेचने गए थे। वहीं मृतका की मां कपूरा देवी पत्नी सत्यनारायण, निवासी ग्राम दुबौलिया थाना चिल्हिया ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की शादी 18 अप्रैल 2024 को राजेश यादव के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व फॉरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समर्थन में महिलाओं ने चौखड़ा में निकली जन आक्रोश पदयात्रा

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। विपक्ष द्वारा नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को पारित नहीं

होने देने के विरोध में सोमवार को भनवापुर मंडल के चौखड़ा में महिलाओं ने जन आक्रोश पदयात्रा निकालकर अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपने अधिकारों के समर्थन में एकजुटता दिखाई।महिला समाजसेवी .ष्णा देवी के नेतृत्व में ललिता इंटर कालेज चौखड़ा से पंचायत भवन तक पैदल यात्रा निकाली गई। इसके पश्चात ललिता इंटर कालेज परिसर में एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक गणेश विश्वकर्मा ने की, जबकि संचालन ब्लाक प्रमुख संघ अध्यक्ष लवकुश ओझा ने किया। सभा के दौरान महिलाओं ने अपने अधिकारों के साथ हो रहे अन्याय और राजनीतिक दलों द्वारा उनके अधिकारों के हनन के खिलाफ जोरदार तरीके से आवाज उठाई।मुख्य अतिथि राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि देश की महिलाएं अब जागरूक हो चुकी हैं और उन्हें अपने अधिकारों का पूरा बोध है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए ऐसे निर्णय लेंगी, जो उनके सम्मान और अधिकारों को सशक्त बनाएंगे। साथ ही उन्होंने महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी कर इस विधेयक को सफल बनाने की अपील की।इस अवसर पर अशोक अग्रहरि, मनोज मौर्या, चंद्रलेखा देवी, सावित्री देवी, सीमा कुमारी, अनीता, चंद्र रेखा देवी, संजू गुप्ता, दुर्गावती गौतम, बदामा देवी, कलावती, ज्ञानमती, सीमा गुप्ता, चंद्रिका मौर्य, रामसूरत यादव, लालमन यादव आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका बांसी जनपद सिद्धार्थनगर स्पीड ब्रेकर बनवाए जाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। नगर पालिका परिषद बांसी के प्रतापनगर वार्ड अंतर्गत श्रीवास्तव कॉलोनी मोहल्ले की मुख्य सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाए जाने की मांग मोहल्ले के कई लोगों ने किया है। श्रीवास्तव कॉलोनी मोहल्ले के निवासी रमेश चंद्र श्रीवास्तव, अशोक कुमार,अनिल कुमार, धीरेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह,नीरज श्रीवास्तव आदि ने कहा है कि श्रीवास्तव कॉलोनी के मुख्य सड़क के निर्माण के समय ही सभासद और ठेकेदार से स्पीड ब्रेकर लगाए जाने की मांग की गई थी पर इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिसके चलते लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सर

सम्पादकीय

युद्ध के कारण 50 अरब डॉलर से अधिक के तेल का नुकसान हो चुका है। फ्रांस और ब्रिटेन के प्रयास से 30 देश होर्मुज को खुलवाने पर साझा विमर्श कर रहे हैं। लेकिन ईरान अब भी खाड़ी देशों और इजरायल के जल संयंत्रों, बिजली संयंत्रों और तेल–गैस ठिकानों पर हमले करने की धमकियां दे रहा है। अमरीका के करीब 1.5 लाख सैनिक और विशालकाय यु)पोत भी ईरान को घेरे ...

घर से शुरू हुई नशे के खिलाफ लड़ाई

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को 'रेड जोन' घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं। निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है।

निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट–बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की 'चिट्टा विरोधी पदयात्रा' और 'महिला मंडलों' की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी। सेवाभाव के लिये प्रसिद्ध पंजाब के लोगों को भी इस रचनात्मक पहल का अनुकरण करना चाहिए। वाकई पंजाब में नशे की चुनौती खासी बड़ी है। युवाओं को नशे की दलदल से बचाने के लिये एक बड़ी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है।

दुनिया को शांति का मार्ग दिखाता बुद्ध का संदेश

बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध का जन्म, उनकी ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण तीनों का एक दिन होना तो महत्वपूर्ण है ही, इसके अलावा हिंदू धर्म में वैशाख पूर्णिमा का अपने आप में बहुत महत्व है। यह दिन विशेष रूप से गौतम बुद्ध के लिए जाना है, इसलिए इसे बुद्ध पूर्णिमा भी कहते हैं। आगामी 1 मई को दुनिया के लगभग 190 देशों के 50 करोड़ से ज्यादा लोग, जो बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं, बुद्ध पूर्णिमा जिसे वैश्विक स्तर पर वैशाख भी कहा जाता है, मनाएंगे। भारत के लिए यह एक नहीं कई वजहों से बहुत पवित्र दिन है, जिनमें मुख्य वजह बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध का जन्म, उनकी ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण तीनों का एक दिन होना तो महत्वपूर्ण है ही, इसके अलावा हिंदू धर्म में वैशाख पूर्णिमा का अपने आप में बहुत महत्व है। यह दिन विशेष रूप से गौतम बुद्ध के लिए जाना है, इसलिए इसे बुद्ध पूर्णिमा भी कहते हैं। इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, इसी दिन उन्हें गया में बोधि यानी ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और इसी दिन उन्होंने अपनी देह त्यागी थी, जिसे बौद्ध धर्म में महापरिनिर्वाण कहते हैं। ये तीनों घटनाएं एक दिन ही घटी थीं, इसलिए बौद्ध धर्म के अनुयायी इस दिन को तीन गुनी पवित्रता का दिन कहते हैं। भारत में बुद्ध पूर्णिमा का धार्मिक ही नहीं सांस्कृतिक महत्व भी है। गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल में हुआ था, लेकिन उन्होंने ज्ञान प्राप्ति और बौद्ध धर्म के विस्तार के लिए उपदेश देना भारत में शुरू किया था, इसलिए उनके और बौद्ध धर्म के भारत के साथ विशेष रिश्ते हैं। गौतम बुद्ध को बोधि की प्राप्ति बोधगया में हुई थी। सारनाथ में उन्होंने अपना पहला उपदेश दिया था और कुशीनगर में उनका निधन यानी महापरिनिर्वाण हुआ था। इसलिए भारत में बौद्ध धर्म के अनुयायी बुद्ध पूर्णिमा को त्रिरत्न पूर्णिमा की संज्ञा भी देते हैं। इस दिन बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग उपवास रखते हैं, ध्यान करते हैं, गरीबों को जो संभव हो दान देते हैं और पंचशील के नियमों का पालन करने का संकल्प लेते हैं। यह पर्व भारतीय संस्कृति में अहिंसा, शांति और समभाव के आदर्शों को पुनर्जीवित करता है, जो आज के तनावपूर्ण माहौल में और भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। भारत के अलावा इस दिन को श्रीलंका, थाइलैंड, म्यांमार, भूटान और कंबोडिया में भी बड़े उत्सवमना और पवित्र मनोभाव से बुद्ध पूर्णिमा मनायी जाती है। इन देशों के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और नेपाल तथा यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में भी बौद्ध धर्म के प्रति बढ़ती श्रद्धा के कारण बुद्ध पूर्णिमा बड़े उत्साह के साथ मनायी जाती है। जिन देशों में बौद्ध धर्म अभी धर्म के रूप में नहीं बल्कि आध्यात्मिक रुझान और दार्शनिक जीवनशैली के रूप में जाना जाता है, वहां भी बुद्ध पूर्णिमा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिलता है। जिन देशों में बौद्ध धर्म मुख्य धर्म के रूप में मौजूद है, उनमें श्रीलंका भी एक है, जहां इस दिन को रोशनी और करुणा के पर्व के रूप में मनाया जाता है। लोग सड़कों पर रंग–बिरंगी लालटेन सजाते हैं, जिन्हें वेसाक लैंटर्न कहते हैं। इस दिन यहां दानशाला में लोगों को मुफ्त भोजन कराया जाता है और बुद्ध के जीवन की झांकियों के पंडाल लगाये जाते हैं, जबकि थाइलैंड में यह दिन अनुशासन और आध्यात्मिकता के विशेष दिन के रूप में मनाया जाता है।

परिस्थितियों के अनुकूल ढलने से सफलता

आत्मीयता का विकास रू जब एक व्यक्ति दिखावे के बजाय किसी के साथ आत्मीयता स्थापित करता है, तो मन के आंतरिक बिंदु व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारते हैं। उसके सामने से धुंधली चीजें हट जाती हैं। सच्ची आत्मीयता परिस्थितियों के अनुरूप सहज दृष्टिकोण विकसित करने में मुख्य भूमिका निभाती है।लचीलापन : जड़ता व्यक्ति को झुकने से रोकती है, जबकि लचीलेपन का गुण व्यक्ति के अंदर हर ...

ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। हम सभी अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शब्दों से अच्छी तरह परिचित हैं। ये शब्द बोलते ही हमारे परिचित चेहरे 'अंतर्मुखी' या 'बहिर्मुखी सांचे' में फिट हो जाते हैं। इन दोनों शब्दों के अलावा एक और शब्द है 'ऑर्टोवर्ट'। यह एक ऐसा शब्द है जो अंतर्मुखी और बहिर्मुखी दोनों के बीच संतुलन स्थापित करता है अथवा सेतु का निर्माण करता है। किसी भी चीज की अधिकता अथवा न्यूनता दोनों ही दिक्कत उत्पन्न करती है। जहां संतुलन उत्पन्न हो जाता है, वहां सब सही हो जाता है। ऑर्टोवर्ट को और अधिक सरल तरीके से समझते हैं। इसका सरल अर्थ हुआ कि वह व्यक्ति जो अपनी ऊर्जा और व्यवहार को परिस्थितियों के अनुरूप या दूसरों को देखते हुए कुशलता से ढाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति के अंदर अनुकूलन क्षमता कूट–कूट कर भरी होती है। जो व्यक्ति अनुकूलन क्षमता के गुणों से भरा होता है, वह कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है। ऐसे में कई बार अनहोनी और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। वहीं 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्ति कुशलता से

बड़ी दुर्घटनाओं को होने से रोक लेते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन 'ऑर्टोवर्ट' थे। वे स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप बहुत ही सहजता और सरलता से ढाल लेते थे। उन दिनों अमेरिका में गृहयुद्ध छिड़ने के कारण हर ओर तनाव का माहौल बना हुआ था। राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की रातों की नींद उड़ी हुई थी। एक दिन इलिनॉय से उनका कोई पुराना साथी व्हाइट हाउस पहुंचा। उसने द्वार रक्षक से राष्ट्रपति से मिलने की इच्छा प्रकट की। द्वार रक्षक बोला, 'यह समय उनसे मिलने का नहीं है। वे अभी कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में हैं और देश के बारे में गंभीर चर्चा चल रही है।' यह सुनकर वह व्यक्ति बोला, 'तुम बस एब को इतना बता दो कि ओरलैंडो केलॉग आया है और उन्हें 'हकलाते इंसाफ' वाला किस्सा सुनाना चाहता है, वे मुझे तुरंत बुला लेंगे।' अब्राहम लिंकन को उनके करीब से जानने वाले 'एब' कहकर पुकारा करते थे। द्वार रक्षक के बार–बार मना करने पर भी जब आंगतुक नहीं माना तो द्वार रक्षक ने यह संदेश लिंकन तक पहुंचा दिया। संदेश सुनते ही लिंकन ने उसे तुरंत अंदर लाने का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने सबके समक्ष उससे गर्मजोशी से हाथ मिलाया। फिर वे अपनी कैबिनेट की ओर मुखातिब होकर बोले, "सज्जनों, ये मेरे बहुत ही आत्मीय और पुराने मित्र ओरलैंडो केलॉग हैं। ये हमें 'हकलाते इंसाफ' का किस्सा सुनाना चाहते हैं। वह बहुत दिलचस्प किस्सा है। मेरे विचार में इन गंभीर पलों में हमें वह किस्सा सुनना चाहिए। इसलिए फिलहाल सब काम रोक कर वह किस्सा सुनते हैं।" इसके बाद ओरलैंडो केलॉग वह किस्सा सुनाते रहे और अब्राहम लिंकन ठहाके पर ठहाके लगाते रहे, जबकि कैबिनेट के अन्य राजनीतिज्ञ और राष्ट्रीय समस्याएं प्रतीक्षा करती रहीं। उस समय सबको यही लग रहा था कि ऐसे अकुशल, अनगढ़ व्यक्ति के हाथों में देश का भविष्य है लेकिन वे लोग यह नहीं जानते थे कि अब्राहम लिंकन का यही अलहदा अंदाज समस्याओं और चुनौतियों से निपटने का कुशल हथियार था और वाकई उनके 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्तित्व ने ही उन्हें इतिहास पुरुष के रूप में स्थापित कर दिया। प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर 'ऑर्टोवर्ट' गुणों का विकास कर सकता है। उसके लिए अपने अंदर प्रतिदिन निम्नलिखित बातों का विकास करना है चयनित मौन : हर वक्त अपनी राय रखना जरूरी नहीं है। कई बार मौन रहकर गहराई से बात को समझने का प्रयास करना चाहिए। गहराई व्यक्ति के कार्य को स्पष्टता और सुदृढ़ स्वर प्रदान करती है। ऊर्जा की वृद्धि रू सुबह योग, व्यायाम, अध्यात्म और श्वासों के द्वारा अपनी ऊर्जा को बढ़ाएं। जब आप नियमित अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगाते हैं तो धीरे–धीरे दूसरों की ऊर्जा को पहचानकर उसके अनुरूप प्रतिक्रिया देने की शक्ति विकसित होती जाती है। आत्मीयता का विकास रू जब एक व्यक्ति दिखावे के बजाय किसी के साथ आत्मीयता स्थापित करता है, तो मन के आंतरिक बिंदु व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारते हैं। उसके सामने से धुंधली चीजें हट जाती हैं। सच्ची आत्मीयता परिस्थितियों के अनुरूप सहज दृष्टिकोण विकसित करने में मुख्य भूमिका निभाती है। लचीलापन : जड़ता व्यक्ति को झुकने से रोकती है, जबकि लचीलेपन का गुण व्यक्ति के अंदर हर स्थिति को सहजता से सुलझाने का प्रयास करता है।

पानीपत से बंगाल तक सत्ता की पैंतरेबाजी में नैतिकता

{ आप मुर्शिदाबाद में भागीरथी नदी को एक बेड़े के सहारे पार कर सकते हैं–बताते चलें कि इस बेड़े पर न सिर्फ लोग बल्कि एक–दो साइकिलें या स्कूटर, और साथ में कुछ मुर्गियां भी सवार होती हैं। नदी के दूसरी तरफ 'हजारद्वारी' स्थित है–यह 1837 में नवाब हुमायूं जाह द्वारा बनवाया 900 कमरों वाला ग्रीक–शैली का अद्भुत महल है। इस महल में अकबर के शासनकाल की मशहूर किताब 'आईन–ए–अकबरी' ... }

पानीपत की पहली लड़ाई के बाद के 500 साल में देश में बहुत कुछ बदला, फिर भी बहुत कुछ पहले जैसा है। खासकर सियासत में मूल्यों का पराभव। बहरहाल, बंगाल और पंजाब काफी समय से भाजपा के निशाने पर हैं। बंगाल चुनाव में भाजपा पहले चरण की वोटिंग के बाद जीत का दावा कर रही। वहीं, ममता बनर्जी जानती हैं कि बंगाल की लड़ाई पूरे विपक्ष पर गहरा असर डालेगी। पांच सौ साल पूर्व, चंडीगढ़ से सिर्फ 161 किमी. दूर पानीपत शहर में 21 अप्रैल, 1526 को जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर ने दिल्ली सल्तनत के अंतिम व क्रूरतम सुल्तान इब्राहिम लोदी को हरा डाला और भारत में मुगल शासन की नींव रखी थी। इसके 231 साल बाद, सुदूर बंगाल में 1757 में प्लाशी के युद्धक्षेत्र में– जिसे अंग्रेजी में 'प्लासी का युद्ध' कहा जाता है– मिली हार के साथ बाबर द्वारा स्थापित यह मुगलिया साम्राज्य अपनी विराटता का अंश मात्र रह गया था। दिल्ली के लाल किले में बैठा आलमगीर द्वितीय नाममात्र का ही बादशाह था। दो साल बाद 1759 में सत्ता संभालने वाले उसके पुत्र, शाह आलम द्वितीय के बारे यह फारसी तंज आम था, 'सल्तनत–ए–शाह आलम, अज दिल्ली ता पालम' अर्थात शाह आलम की सल्तनत दिल्ली से पालम तक ही बची है (वर्तमान पुरानी दिल्ली–6 से लेकर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल–1 तक, मात्र 30 किमी. तक)। यहां पंजाब में, जहां गर्मियों के दिन पहले ही काफी गर्म हो चुके हैं, कोयल जोर–जोर से कूक रही है और आम के पेड़ों पर आया बोर गिर चुका है, इतिहास के इस छोटे से पाठ की जरूरत शायद ही थी। पंजाब को यह सब बताने की जरूरत नहीं, उसने पिछले 500 सालों में–उससे भी पहले– हमेशा यही कुछ देखा, वह मैदानी क्षेत्र जो हमलावरों, विजेताओं, तानाशाहों, लोकतांत्रिक शासकों के लिए पसंदीदा पड़ाव रहा है। और फिर यहां बंगाल है। भारत में कहीं भी जो कुछ भी होता है, वह

उपमहाद्वीप के इस हिस्से में कई गुना ज्यादा होकर घटित होता है। हरियाली अधिक हरी है, खासकर मॉनसून के दौरान। लाल रंग ज्यादा सुर्ख होता है, विशेषकर 'पूजो' के उन नौ दिनों में जब देवी अधिष्ठात्री होती है। नदियां भी अधिक लंबी हैं–कुछेक तो पंजाब की नदियों से भी, हालांकि दोनों राज्यों में ऐसी नदियां हैं जो दूसरे देशों तक बहती हैं और अन्य जातियों–धर्मों के लोगों को भी अपनी जलधारा से जीवन निर्वाह का मौका देती हैं (इसके अलावा, 1398 में, जब बाबर का पूर्वज तैमूर पंजाब को तबाह कर रहा था– बाबर द्वारा अपने सह–धर्मी सुल्तान को हराकर हिंदुस्तान जीतने से करीब एक सौ साल पहले– बंगाल के मुस्लिम पठान शासक, मसलन गयासुद्दीन आजम शाह,रामायण जैसे हिंदू महाकाव्यों का बंगाली में अनुवाद करने को प्रोत्साहन दे रहे थे, इसके अलावा उन्होंने चीन के मिंग राजवंश के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित किए और फारसी कवि हाफिज के साथ मिलकर कविताएं लिखीं)। बंगाल में सभी भावनाएं मिल–जुल कर एक साथ चलती हैं। गुस्सा रू 1905 में प्रांत का बंटवारा। पुनः विलय रू 1911 में फिर से एक होना। धोखा रू मीर जाफर, सुवेंदु अधिकारी। धर्म रू 1906 में मुस्लिम लीग का जन्म और 1977–2011 तक नास्तिक कम्युनिस्टों का 34 वर्षीय शासन। संस्कृति रू जन–गण–मन और वंदे मातरम्। साम्राज्य रू 1757 में प्लासी में मुगलों का पतनय 1857 में बैरकपुर में, ईस्ट इंडिया कंपनी का और ब्रिटिश राज का उत्थान और पतन। बदला रू 'डायरेक्ट एक्शन डे',1946। राजनीतिरू 1947 में देश विभाजन। चाहे आप बंगाल से प्यार करें या नफरत, किंतु आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह, दोनों ही इस शाश्वत सत्य को अच्छी तरह समझते हैं, कि अमर्त्य सेन का 'ऑर्ग्युमेंटेटिव इंडियन' संभवतया बंगाली ही है। इसी नाम वाली उनकी किताब की अधिकतम उद्धृत पंक्ति में सेन की दलील है कि भारत की सदियों पुरानी संवाद परंपरा इसलिए बहुत बढ़िया है क्योंकि जाति, वर्ग और शिक्षा स्तर से इतर, विचारों में भिन्नता इसे समृद्ध बनाती है। किताब की प्रस्तावना में सेन लिखते हैं– 2004 के आम चुनावों से ठीक पहले, कोलकाता में उनके घर के बाहर एक ग्रामीण,जो 'मुश्किल से साक्षर व बहुत गरीब था', ने उनसे कहा रू 'हमें चुप करा देना बहुत मुश्किल नहीं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि हम बोल नहीं सकते'। कोई हैरानी की बात नहीं कि बंगाल–और पंजाब भी, जैसा कि बीते शुक्रवार शाम पूरी तरह साफ हो गयाकृकाफी समय से भाजपा के निशाने पर हैं। 2021 के विपरीत, जब प्रधानमंत्री का 'दीदी, ओ दीदी' वाला ताना बंगालियों को ज्यादा रास नहीं आया था, इस बार भाजपा के तरकश में कहीं ज्यादा किस्म के तीर हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण में 27.10 लाख मतदाताओं के नाम कटने से–जिससे राज्य की मतदाता सूची में 11.63 प्रतिशत की गिरावट आई– सियासी समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा गए। मतदान के पहले चरण के बाद भाजपा अपनी जीत का दावा कर रही है। वहीं दूसरी ओर, ममता बनर्जी भी जानती हैं कि बंगाल की यह लड़ाई न सिर्फ उनके अपने राजनीतिक कैरियर को बनाएगी या बिगाड़ेगी, बल्कि समूचे विपक्ष के भविष्य पर भी इसका गहरा असर पड़ेगा। बंगाल में घूमना और वहां की बदलती कहानी को देखना काफी आसान है–यदि आप उत्तर प्रदेश और बिहार की तरफ से आ रहे हैं, तो बस गंगा नदी के किनारे–किनारे चलते रहिए। प्लासी से ज़्यादा दूर नहीं–जहां 1757 में मुगल क्षत्रप सिराज–उद–दौला के पतन की घंटी बजी थी–मुर्शिदाबाद जिला है। 19वीं सदी में यह क्षेत्र दुनिया के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में एक था, और आज यह ममता और तृणमूल के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के बीच तनातनी का केंद्र बना है।

श्रेयस अय्यर की पंजाब के तूफान को रोकने उतरेगी राजस्थान, कप्तान रियान पराग की फॉर्म बनी चिंता

पिछले कुछ मैचों में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाने वाले राजस्थान रॉयल्स को मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अगर पंजाब किंग्स का अजेय रथ रोकना है तो रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान रियान पराग को आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। रिकी पोंटिंग का मुख्य कोच का पद संभालने और श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स में आमूलचूल बदलाव देखने को मिले हैं और उसने तब से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

पिछले साल उसकी टीम उप विजेता रही थी और इस साल उसने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। विराट कोहली ने वर्षों तक अपनी शानदार निरंतरता के दम पर 'लक्ष्य का पीछा करने में माहिर यानी चेज–मास्टर' का तमगा अपने नाम किया था और अब अय्यर भी उसी राह पर हैं। कप्तान और बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बेहद दबाव वाली परिस्थितियों में सराहनीय धैर्य का प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स के टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने में अहम भूमिका निभाई है।

अय्यर ने शानदार कप्तानी की है, लेकिन उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। पंजाब किंग्स ने पिछले सत्र में आईपीएल के इतिहास के सबसे कम स्कोर का बचाव किया था और अब उसने नयी दिल्ली में शनिवार को भीषण गर्मी के बावजूद रिकॉर्ड 265 रन के लक्ष्य को बेहद आसानी से हासिल कर लिया था। पंजाब किंग्स की सात मैचों में छह जीत (एक मैच बारिश के कारण रद्द) प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की विस्फोटक सलामी जोड़ी की बदौलत संभव हो पाई हैं। इन दोनों ने दिल्ली के खिलाफ पावरप्ले में 116 रन बनाकर अपनी टीम को कोटला में रिकार्ड लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

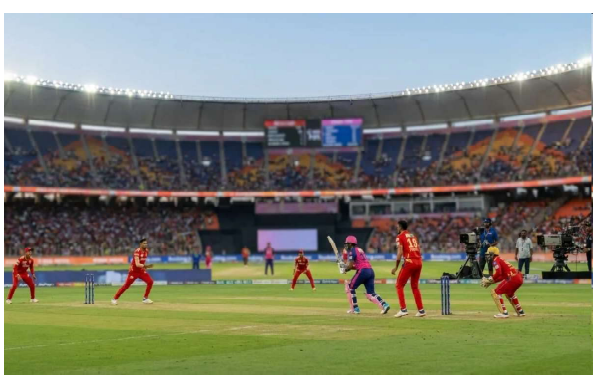

उस मैच में पंजाब किंग्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई थी, लेकिन बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों और सीमा रेखा छोटी होने के कारण उन्हें ज्यादा दोषी नहीं ठहराया जा सकता। पंजाब किंग्स अपने इस घरेलू मैदान पर इस सत्र का अपना आखिरी मैच खेलेगा। उसकी टीम अपने आखिरी तीन घरेलू मैच धर्मशाला में खेलेगी, इसलिए उम्मीद की जा रही है कि परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने के कारण वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ भी अपना विजय अभियान जारी रखने में सफल रहेगी। राजस्थान रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पहले चार मैच जीतने के बाद उसने अपनी लय खो दी है।

युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन टीम निरंतरता बनाए रखने में सफल नहीं रही है। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। पराग ने अभी तक आठ पारियों में केवल 88 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 112.82 है। हर मैच के साथ उन पर दबाव बढ़ता जा रहा है। राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने मजबूत स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया।

पराग ने कहा, ''मुझे लगता है कि हर दिन अलग–अलग मैदान, अलग–अलग मैच और उनसे निपटने के अलग–अलग तरीके होते हैं। अभी हमें नहीं पता कि चंडीगढ़ में क्या होगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि उन्होंने दिल्ली में बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया था लेकिन चंडीगढ़ एक नया मैदान है, नई पिच है, नई मिट्टी है। इसलिए उम्मीद है कि मैच उस स्थिति तक नहीं जाएगा।'' पंजाब किंग्स ने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए पिछले मैच में 254 रन बनाए थे और उसके बल्लेबाज अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

टीम इस प्रकार हैंरु पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद। राजस्थान रॉयल्सः शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन–ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

300 सेकेंड में 96 ड्रोन, चीन के एटलस ने क्यों बढ़ाई भारत समते दुनिया की चिंता?

भविष्य में जंग कैसे लड़ी जाएगी इसके कई जवाब हो सकते हैं। मिसाइल से फाइटर जेट से या जंगी जहाजों से ये सभी चीजें अपनी–अपनी जगह बेहतर हैं। लेकिन हालिया युद्धों ने हमें जो सिखाया है उसे देखकर तो यही लगता है कि भविष्य की जंगों की दिशा ड्रोन्स तय कर सकते हैं। कम खर्चे में ज्यादा तबाही, दुश्मन के खेमे में ज्यादा कंफ्यूजन और एयर डिफेंस को चकमा। इन सभी कामों में ड्रोन से बेहतर फिलहाल कुछ नहीं है। अब चीन ने एक नया ड्रोन सिस्टम लॉन्च किया है जो भारत समेत पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन सकता है। इस सिस्टम का नाम एटलस है। एटलस ड्रोन स्वार्म सिस्टम। पहले आपको बताते हैं कि स्वार्म ड्रोनस क्या होते हैं? स्वार्म शब्द का मतलब होता है एक झुंड। मधुमक्खी के झुंडों के लिए स्वार्म शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह के ड्रोंस एक साथ बड़ी संख्या में हमला करते हैं। इससे फायदा यह होता है कि दुश्मन का एयर डिफेंस कंफ्यूज हो जाता है। वो समझ नहीं पाता कि ड्रोन को पहले रोके। जब तक वह अपना टारगेट चुनता है तब तक और भी ड्रोंस आ जाते हैं। इससे एयर डिफेंस को पहले ही नाकाम करने में मदद मिलती है जिससे मिसाइल्स और फाइटर जेट्स के लिए कोई रुकावट नहीं रह जाती। अब आपको बताते हैं कि चाइना का नया एटलस फॉर्म ड्रोन सिस्टम क्या है? चीन का एटलस सिस्टम पहियों पर चलने वाले एक छोटे बैटल फील्ड नेटवर्क जैसा है जिसमें ड्रोन को एक ट्रक से लॉन्च किया जाता है। इन ड्रोंस और उनके लॉन्च को एक ही ऑपरेटर दूर से कंट्रोल करते हैं। यह एक बड़े इलाके में जासूसी, कम्युनिकेशन और एयर डिफेंस के लिए भ्रम पैदा करने का काम करते हैं। इससे भी ज्यादा जरूरी

बात यह है कि यह एक बहुत ही छोटी यूनिट होती है जिसे छिपाना, कैमोफ्लाज में रखना और दूरदराज से ऑपरेट करना आसान है। एटलस सिस्टम एक साथ 96 छोटे–छोटे और मीडियम साइज के तेज ड्रोन लॉन्च कर सकता है। यह ड्रोन जो बचाव और हमला दोनों में बहुत काम आते हैं। एक ड्रोन के बीच लॉन्च का समय 3 सेकंड से भी कम का होता है। इसलिए 300 सेकंड के अंदर यह सिस्टम हमला करने, जासूसी करने या दुश्मन को कंफ्यूज करने के लिए सभी 96 ड्रोंस लॉन्च कर सकता है। हाल के युद्धों में ही देख लें तो ईरान अमेरिका युद्ध के दौरान सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर मौजूद अमेरिका के म्3 सेंट्री एडब्ल्यूएसीएस विमान को 29 ड्रोंस के एक झुंड और कुछ बैलस्टिक मिसाइलों ने तबाह कर दिया था। पूरे एटलस सिस्टम को देखें तो इनमें तीन यूनिट्स होती हैं। इनमें एक स्वम टू ग्राउंड कॉम्बैट व्हीकल, एक कमांड व्हीकल और एक सपोर्ट व्हीकल होता है। एक अकेला स्वम टू ग्राउंड कॉम्बैट व्हीकल 48 फिक्स्ड विंग ड्रोन लॉन्च कर सकता है। एक अकेला कमांड व्हीकल एक ही समय में एक झुंड में 96 ड्रोंस को कंट्रोल कर सकता है। इसका आकार और इसकी स्पीड इसे जासूसी करने, इंटरसेप्शन करने और जरूरी टारगेट्स पर हमला करने के लिए बेहद उपयोगी बनाती है। इंडियन एक्सप्रेस में छपी रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशनल जरूरतों के आधार पर एटलस को अपने हिसाब से कंफिगर भी किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए पहले जासूसी ड्रोन तैनात किए जा सकते हैं। जबकि दुश्मनों को दबाने के लिए हमलावर ड्रोन से पहले इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर वाले ड्रोन भेजे जा सकते हैं। इससे अलग–अलग स्थितियों के अनुसार खास तरह से जवाब देना संभव हो जाता है। स्वर्म इंटेलिजेंस से लैस लगभग 100 हाई स्पीड ड्रोन मिशन के दौरान बहुत कम समय में सटीक इंफॉर्मेशन बना सकते हैं। वो हवा के बहाव में गड़बड़ी जैसी स्थिति में भी खुद को संभालने में सक्षम होते हैं। अब आपको यह भी बताते हैं कि यह एटलस वर्म ड्रोंस इंडिया और ताइवान के लिए टेंशन की बात क्यों है। एटलस सिस्टम ताइवान और भारत के एयर डिफेंस को कंफ्यूज कर सकता है। इसे नष्ट करने के लिए भारत और ताइवान को इसके कई हिस्सों को बर्बाद करना पड़ेगा जो इसकी स्पीड और कैमोफ्लैश क्षमता को देखते हुए मुश्किल जान पड़ता है। इसके अलावा सिस्टम की एल्गोरिदम से ऑपरेट होने वाली किल चेन और खुद से टारगेट की पहचान करने की क्षमता इसे और घातक बनाती है।

बैडमिंटन की ग्लोबल बॉडी बीडब्ल्यूएफ में पीवी सिंधू का नया रोल, ब्वनदबपस डमउइमत बन उठाएंगी खिलाड़ियों के मुद्दे

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की परिषद के सदस्य के रूप में

अपना कार्यकाल शुरू कर दिया है और उन्होंने दुनिया भर के खिलाड़ियों के मसलों को उठाने का वादा किया। बैडमिंटन की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक सिंधू ने दिसंबर में बीडब्ल्यूएफ खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के बाद बीडब्ल्यूएफ परिषद में पूर्ण मतदान का अधिकार हासिल कर लिया है। सिंधू आधिकारिक तौर पर 2025 के आखिर में परिषद में शामिल हुई थी। उन्होंने 25 अप्रैल को यहां वार्षिक आम बैठक में पहली बार हिस्सा लिया और इस तरह से उनके कार्यकाल की शुरुआत हुई। सिंधू ने इस अवसर पर कहा, ''विश्व बैडमिंटन महासंघ के यह जिम्मेदारी निभाना और दुनिया भर के खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए वास्तव में सम्मान और सौभाग्य की बात है।'' उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा, बैडमिंटन ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे खुशी है कि मुझे इस क्षमता से भी खेल की सेवा करने का मौका मिल रहा है।'' विश्व बैडमिंटन महासंघ की परिषद विश्व स्तर पर बैडमिंटन को रणनीतिक दिशा प्रदान करने और उसके संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वदत्रकुल ने सिंधू का परिषद में स्वागत करते हुए कहा, ''पीवी सिंधू ने पिछले कई वर्षों से कोर्ट पर असाधारण कौशल, शालीनता और अपने जज्बे का शानदार प्रदर्शन किया है। अब वह हमारे खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व रहेगी। इस तरह की आदर्श खिलाड़ी का परिषद में होना बहुत अच्छा है।

भरोसे के लायक नहीं...ईरानी सांसद ने पाकिस्तान को बुरी तरह ठोका

ईरान अमेरिका के टकराव और उसके बीच नाम बटोरने की कोशिश में लगा हुआ पाकिस्तान एक बार फिर से ही पूरी दुनिया के सामने एक्सपोज हो गया है और इस बार पाकिस्तान को एक्सपोज किया है ईरान ने जहां ईरान की तरफ से अब साफ तौर पर कह दिया गया है कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो भरोसे के लायक नहीं है और शांति समझौता करवाने के नाम पर पाकिस्तान खुद की जो ब्रांडिंग में लगा हुआ है। उसको भी अब ईरान ने तार–तार कर दिया है। ईरानी सांसद ने ही पाकिस्तान की पोल खोल कर रख दी है। दरअसल ईरान के सांसद इब्राहिम रियाजी ने खुलकर कह दिया है कि पाकिस्तान शांति वार्ता के लिए भरोसेमंद मध्यस्थ नहीं है। उनका यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब पाकिस्तान खुद को ईरान और अमेरिका के बीच एक पुल के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है और लगातार खुद को पीसमेकर जैसी उपाधि देने की कोशिश में लगा है। ईरानी सांसद रिजाई ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान एक अच्छा पड़ोसी हो सकता है। लेकिन जब बात निष्पक्ष मध्यस्थ बनने की आती है, तो पाकिस्तान उस कसौटी पर खड़ा नहीं उतरता है। ईरानी सांसद ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के इशारों पर चलता है और उनके फायदे को ध्यान में रखकर फैसले करता है। यानी सीधे तौर पर ईरान का मानना है कि पाकिस्तान बातचीत में बैलेंस नहीं रखता है और वह एक तरफ यानी अमेरिका की ओर झुका रहता है। इतना ही नहीं रिजाई ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान कई सारी अहम सच्चाइयों को दुनिया के सामने लाने से बचता है। उनके मुताबिक ऐसे मौके आए जब अमेरिका ने पाकिस्तान के प्रस्तावों को पहले स्वीकार किया लेकिन बाद में पीछे हट गया। इसके बावजूद कि पाकिस्तान इन बातों को जानता था। उसने कभी खुलकर उजागर नहीं किया। उन्होंने लेबनान और ब्लॉकेड एसेट जैसे मुद्दों का भी जिक्र करते हुए अमेरिका के कई कमिटमेंट पूरे नहीं करने पर पाकिस्तान की चुप्पी को भी साधा है। ये सारी बातें इब्राहिम रियाजी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखी। पाकिस्तान हमेशा से ही डबल गेम के लिए बदनाम रहा है।

हार के बाद भी निकोलस पूरन के साथ कप्तान पंत और कोच लैंगर, सुपर ओवर पर दिया बड़ा बयान

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने आईपीएल मैच के सुपर ओवर में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार स्पिनर सुनील नारायण का सामना करने के लिए निकोलस पूरन को भेजने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि टीम प्रबंधन ने खराब फॉर्म में होने के बावजूद वेस्टइंडीज के इस विस्फोटक बल्लेबाज को सबसे अच्छा विकल्प माना। पूरन इस सत्र में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और उनका उच्चतम स्कोर 22 रन रहा है।

वह सुपर ओवर में नारायण की पहली गेंद पर आउट हो गए। एलएसजी ने सुपर ओवर में केवल एक रन बनाया। केकेआर ने केवल एक गेंद पर जीत हासिल कर ली। लैंगर से जब मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस संबंध में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''अच्छा सवाल है। हमें पता था कि सुनील नारायण गेंदबाजी करेंगे और अगर आप निकी (निकोलस पूरन) का रिकॉर्ड देखें, तो वह सुनील नारायण को क्रिकेट जगत में किसी भी अन्य बल्लेबाज की तुलना में अधिक बेहतर समझते हैं। इसलिए हमें लगा कि वही सबसे अच्छा विकल्प हैं।''

उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि उन्होंने अभी तक अपनी फॉर्म कुछ वर्षों में शायद ही कोई पूरन से बेहतर टी20 खिलाड़ी

हासिल नहीं की है और निकी खुद भी यह बात मानेंगे, लेकिन हमने सोचा था कि अगर कोई सुपर ओवर में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो वह निकी पूरन ही हैं। आप अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों पर ही भरोसा करते हैं। अगर आप सभी आंकड़ों को देखें तो नारायण को निकी से बेहतर कोई नहीं खेलता। दुर्भाग्य से इस बार ऐसा नहीं हो पाया।'' नारायण ने इससे पहले टी20 क्रिकेट में जो पहला सुपर ओवर (2014 में कैरेबियाई प्रीमियर लीग में) किया था, उस समय भी पूरन बिना रन बनाए आउट हो गए थे। लैंगर ने कहा, ''पिछले विश्व में हो। इससे पता चलता है कि वह भी इंसान हैं। आत्मविश्वास का दिखावा नहीं किया जा सकता। हम सभी कोशिश करते हैं। आप आत्मविश्वास से भरे दिख सकते हैं, लेकिन आत्मविश्वास सही प्रक्रियाओं को अपनाने से आता है।'' एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत ने भी सुपर ओवर में पूरन को बल्लेबाजी के लिए चुनने के फैसले का बचाव किया था। पंत ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा था, ''हमने सुपर ओवर के बल्लेबाजों को लेकर चर्चा की और तब निकोलस पूरन का नाम सामने आया। हो सकता है कि वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में न हों, लेकिन ऐसी मुश्किल परिस्थिति में आप अपने मंझे हुए खिलाड़ी पर भरोसा करेंगे।'' लैंगर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम काली मिट्टी की पिच के अनुरूप खुद को ढाल नहीं पाई।

उन्होंने कहा, ''यह निराशाजनक है। पिछले मैच के बाद मैंने कहा था कि मुझे लाल मिट्टी वाला विकेट बहुत अच्छा लगा था। उसमें तेजी और उछाल थी। क्रिकेट के लिए यह वाकई रोमांचक होता है। आज हम काली मिट्टी की पिच के अनुकूल नहीं ढल पाए। यह पिच धीमी थी और उस पर गेंद नीची रह रही थी।'' इस बीच केकेआर के तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा ने टीम के चुनौतीपूर्ण स्कोर का श्रेय रिंकू सिंह की अंतिम ओवरों में की गई तूफानी बल्लेबाजी को दिया। उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में दिग्वेश राठी पर लगातार चार छक्के लगाए थे। अरोड़ा ने कहा, ''रिंकू की पारी की वजह से ही हम जीते। अगर उन्होंने वह पारी नहीं खेली होती तो हम अच्छे स्कोर तक नहीं पहुंच पाते। इस पिच पर 155 का स्कोर अच्छा था।

रग्बी प्रीमियर लीग का ऐतिहासिक कदम, पहली बार महिला टूर्नामेंट में भिड़ेंगी 4 टीमें

रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) में पहली बार महिला टूर्नामेंट का आयोजन जून में होगा जिसमें चार फ्रेंचाइजी टीम मुकाबला

करेंगी। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। आरपीएल 2025 में हिस्सा लेने वाली छह पुरुष फ्रेंचाइजी में से चार टीम महिला टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम मैदान में उतारेंगी। लीग का आयोजन 16 से 28 जून तक हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में होगा। महिला वर्ग में चेन्नई बुल्स (एविड सिस स्पोर्ट्स), दिल्ली रेड्ज (आरएमजेड कॉर्प), मुंबई ड्रीमर्स (ड्रीम स्पोर्ट्स) और कोलकाता बंगा टाइगर्स (हंच वेंचर्स) की टीम हिस्सा लेगी। जीएमआर स्पोर्ट्स इस लीग का आयोजन रग्बी इंडिया के साथ मिलकर कर रहा है। चार महिला टीम और छह पुरुष टीम (जिनमें हैदराबाद हीरोज और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स शामिल हैं) के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट और नीलामी 30 अप्रैल को हैदराबाद में होगी। रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सत्र का आयोजन पिछले साल मुंबई में किया गया था। महिला टूर्नामेंट की शुरुआत के बारे में बात करते हुए रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, ''रग्बी इंडिया में हमारा हमेशा से यह सपना रहा है कि आरपीएल का महिला टूर्नामेंट भी हो। इस साल हमारा वह सपना पूरा हो रहा है।

नारी शक्ति का स्वाभिमान,विपक्ष ने फिर किया अपमान– जन आक्रोश महिला सम्मेलन सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला पंचायत सभागार में "नारी शक्ति का स्वाभिमान,विपक्ष ने फिर किया अपमान" विषय पर जन आक्रोश महिला सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता देखने को मिली,जिन्होंने एक स्वर में नारी सम्मान और अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री राजेश सचान (सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम,खादी एवं ग्रामोद्योग,रेशम विभाग,हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग) रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले बयान देकर समाज में गलत संदेश देने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे में समाज

और विशेष रूप से महिलाओं को जागरूक होकर इसका विरोध करना चाहिए। सम्मेलन में पूर्व राज्य मंत्री एवं सदर विधायक पल्टूराम ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति देश और समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान से ही समाज का उत्थान संभव है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं से जुड़े मुद्दों का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं,जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा,शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार योजनाएं चला रही है और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पूर्व राज्य मंत्री एंव सदर विधायक पल्टूराम ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि आज की नारी किसी से कम नहीं है और हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही है। अंजली मिश्र तथा ललिता तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि नारी शक्ति आज आत्मनिर्भर और सशक्त बन रही है, लेकिन समय–समय पर कुछ घटनाएं और बयान उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाते हैं। उन्होंने ऐसी मानसिकता की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि अब महिलाएं चुप नहीं रहेंगी और अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करेंगी। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समानता जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अंत में सभी महिलाओं ने एकजुट होकर नारी सम्मान की रक्षा करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया। सम्मेलन में विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिला पदाधिकारियों सहित जिला अध्यक्ष रवि मिश्र,अध्यक्ष जिला पंचायत आरती तिवारी, सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल,उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा,पर्व विधायक गैसड़ी शैलेष कुमार सिंह शैलू,चेयरमैन डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू,चेयरमैन उतरौला सविता गुप्ता,जिला महामंत्री हिन्दू बिश्वकर्मा, उपाध्यक्ष आद्या सिंह पिकीं, सुनीता मिश्र, मंजू तिवारी, शेरावाली शुक्ल, बबिता सिंह रेशम सिंह,स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष आरती। तिवारी ने कार्यक्रम का समापन धन्यवाद साथ समापन किया। जिला पंचायत सभागार से पदयात्रा के संतोषी माता मंदिर के सामने पुतला दहन किया

जिला बार संघ चुनाव: विभिन्न पदों पर बढ़ी हलचल, कई दिग्गजों ने भरे मैदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला बार संघ के आगामी चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह चरम पर पहुंचता जा रहा है। विभिन्न पदों के लिए बड़ी संख्या में प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र (पर्चा) खरीदे जाने से चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा गया है और अब मुकाबला रोचक होता नजर आ रहा है। अध्यक्ष पद के लिए मुर्तजा हुसैन, हरिकांत मिश्रा और घनश्याम शुक्ला ने अपनी दावेदारी पेश की है। तीनों ही उम्मीदवारों के बीच सीधा और कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। महामंत्री पद के लिए सबसे अधिक दावेदार सामने आए हैं। संजय तिवारी, सुनीता कश्यप, विमला सोनकर, शंशाक त्रिपाठी और देवेशमणि त्रिपाठी सहित छह प्रत्याशियों ने पर्चा खरीदा है, जिससे इस पद पर बहुकोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है। कोषाध्यक्ष पद के लिए अश्वनी कुमार निपाठी ने नामांकन पत्र लिया है, जिससे फिलहाल इस पद पर स्थिति अपेक्षाकृत स्पष्ट दिख रही है। उपाध्यक्ष पद के लिए ज्वाला प्रसाद यादव, अयाज अहमद, वृजेश सोनी और रितेश तिवारी मैदान में हैं, जहां मुकाबला कड़ा रहने के आसार हैं। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए संतोष कुमार पांडेय और देवेंद्र कुमार पांडेय के अलावा राजीव मिश्रा, शिव प्रताप शुक्ल और प्रशान्त ओझा ने भी नामांकन पत्र खरीदा है। इस पद पर प्रत्याशियों की संख्या बढ़ने से प्रतिस्पर्धा और दिलचस्प हो गई है। वहीं सदस्य कार्यकारिणी पद के लिए जय प्रकाश शुक्ला, मुमताज रसूल, अमरेन्द्र मणि त्रिपाठी, सुधाकर मणि त्रिपाठी, मुन्ना लाल और भानू प्रताप सिंह ने अपनी दावेदारी पेश की है। चुनाव प्रक्रिया के अगले चरणों के साथ ही प्रत्याशियों द्वारा जनसंपर्क और प्रचार–प्रसार तेज होने की उम्मीद है। बार संघ के इस चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह है और सभी की निगाहें अब आगामी मतदान तिथि और परिणामों पर टिकी हैं।

अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से डीजल गिरने पर लगी आग चालक की जलकर मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में ट्रैक्टर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना खोड़ारे थाना क्षेत्र के कूकनगर ग्रांट भरपुरवा स्थित रतन ईंट

भट्ठे की है 35 साल के राकेश कुमार उर्फ धन्नू ट्रैक्टर–ट्रॉली से ईंट गिरा रहे थे।इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। पलटने के बाद डीजल गिरने से चिंगारी उठी और ट्रैक्टर में आग लग गई।राकेश ट्रैक्टर के नीचे दब गए और आग की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।इसके बाद जेसीबी मशीन बुलाकर ट्रैक्टर के नीचे दबे राकेश का शव बाहर निकाला गया,जो बुरी तरह जल चुका था। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।राकेश कुमार उर्फ धन्नू बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र के बेलहरिया गांव के निवासी थे। वह पिछले 10–12 वर्षों से भट्ठा मालिक रामरतन के यहां ठेके पर काम कर रहे थे।उनका काम ट्रैक्टर–ट्रॉली से ईंटों को भट्ठे के अंदर गिराना था।पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम सूचना मिलते ही खोड़ारे थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी।परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए गोंडा भेजा गया।पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसे अंतिम संस्कार के लिए बस्ती ले जाया गया।राकेश के तीन बच्चे हैं।बड़े बेटे का नाम 16 वर्षीय अंकुर, छोटे का नाम 14 वर्षीय शिवाश और 12 वर्षीय शिल्पा है।पत्नी का नाम गुड़िया और मां का नाम मालती है।थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल राय ने बताया कि ट्रैक्टर पलटने के बाद आग लगने से चालक की मौत हुई है।मनकापुर सीओ उदित नारायण पालीवाल ने बताया, खोड़ारे थाना क्षेत्र के रतन ब्रिक फील्ड पर ट्रैक्टर–ट्रॉली पलटने से बड़ा हादसा हो गया। ट्रैक्टर पलटते ही उसमें आग लग गई और देखते ही देखते पूरा वाहन आग की चपेट में आ गया। ट्रैक्टर चालक राकेश गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

गौ–सम्मान आह्वान अभियान'के तहत राष्ट्रपति–प्रधानमंत्री राज्यपाल,मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में गौ–रक्षा और गौ–वंश संरक्षण को लेकर,गौ–सम्मान आह्वान अभियान' के तहत भगवतीगंज बलरामपुर में नागरिकों ने एक पहल शुरू की है जिसमें हनुमान गौशाला मंदिर के प्रांगण में प्रधान संरक्षक गौ माता आधाशक्ति मां सुरभि,अध्यक्ष नंदी बाबा नीलमणि वृषभदेव जी का सभी लोगों ने गाय माता का आशीर्वाद लेकर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया जिसमें गौ भक्त के सभी लोगों ने हनुमान गौशाला मंदिर भगवतीगंज से निकलकर संतोषी माता मंदिर होते हुए पुरानी कचहरी पहुंचकर सदर एसडीएम हेमंत कुमार जी को सौंपा ज्ञापन जिसमें अभियान के अंतर्गत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल मुख्यमंत्री को संबोधित प्रार्थना पत्र 27 अप्रैल 2026 को स्थानीय अधिकारियों के माध्यम से भेजा गया जिसमें गौवंश की दयनीय स्थिति पर जताई चिंतारू याचिका में कहा गया कि गोवंश सदियों से भारतीय संस्कृति, अर्थव्यवस्था, मानव स्वास्थ्य, विष मुक्त कृषि और पर्यावरण संतुलन का आधार रहा है लेकिन वर्तमान में उचित संरक्षण के अभाव में गौवंश की स्थिति दयनीय है नागरिकों ने मांग की कि भारत भूमि पर सभी गोवंश स्वस्थ, सुखी,सम्मानित और सुरक्षित रहें इसके लिए सरकारी स्तर पर ठोस प्रयास जरूरी हैं प्रार्थना पत्र में गौ–माता की रक्षा,सेवा और संरक्षण के लिए शीर्ष नेतृत्व से हस्तक्षेप का आग्रह किया गया है जिसमें गौ सेवक रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी ने कहा कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर सौंपा गया ज्ञापन उन्होंने प्रधानमंत्री से गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की अपील की यह भी कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती ज्ञापन सौंपने के बाद कार्यक्रम का समापन तहसील परिसर में किया गया जिसमें सदर एसडीएम हेमंत कुमार जी को सौंपा ज्ञापनरूयह हस्ताक्षर युक्त प्रार्थना पत्र तहसील के जागरूक नागरिकों ने तहसीलदार, एसडीओ, एसडीएम, बीडीओ और जिला कलेक्टर को सौंपा निवेदकों ने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे इस अभियान की भावनाओं और ज्ञापन को उचित माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक पहुंचाएं अभियान में ज्ञानी नाथ योगी, महंत, विजय अग्रवाल, प्रमोद चौधरी,गोपी कृष्ण अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी गौ सेवक, शैलेंद्र शर्मा, मोहित केसवानी, संतोष श्रीवास्तव, आशीष सैनी,अर्थव शुक्ला, पंकज अग्रवाल, सचिन शुक्ला, कृष्ण वर्मा, रमेश कुमार गुप्ता पिंटू, अंशु वर्मा, कृष्ण गोपाल अग्रवाल, चंद कुमार शर्मा, विकास मिश्र, आकाश साहू, रवि पाठक, अंशुल आदि लोगों ने काफी संख्या में सदर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन।

जनपद के दो थानाध्यक्षों का गोरखपुर रेंज में हुआ तबादला

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के दो थाना अध्यक्षों का गोरखपुर रेंज में तबादला कर दिया के लिए निरीक्षकों की सूची

गया है।अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) गोरखपुर जोन मुथा अशोक जैन ने मनकापुर कोतवाल अरविंद कुमार सिंह और कटरा बाजार थाना अध्यक्ष विवेक कुमार त्रिवेदी को गोन्डा देवीपाटन रेंज से हटाकर गोरखपुर रेंज में स्थानांतरित किया है।एडीजी जोन गोरखपुर ने गैर–जोन तबादले मांगी थी। सूची मिलने के बाद इन दोनों निरीक्षकों का तबादला किया गया। तबादले के आदेश के बाद, विवेक त्रिवेदी और अरविंद कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से गोंडा से रिलीव कर गोरखपुर जाने के निर्देश दिए गए हैं।विवेक कुमार त्रिवेदी इससे पहले तरबगंज और इटियाथोक थाना अध्यक्ष के पदों पर भी तैनात रह चुके हैं। उन्होंने गोंडा नगर कोतवाली में भी सेवाएं दी हैं, जहां उन्होंने कई अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी।वर्तमान में वे कटरा बाजार के थाना अध्यक्ष थे।वहीं अरविंद कुमार सिंह पूर्व में धानेपुर थाना अध्यक्ष के पद पर तैनात थे।एक महिला के अधजले शव की पहचान न होने के मामले के बाद उन्हें धानेपुर से हटाकर मनकापुर कोतवाली में तैनात किया गया था। अब उन्हें मनकापुर से गोरखपुर स्थानांतरित किया गया है।बताया जा रहा है कि गोरखपुर जिले में निरीक्षकों की कमी के चलते इन दो निरीक्षकों की तैनाती की मांग की गई थी। गोंडा के पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने पुष्टि की है कि दोनों निरीक्षकों को गोरखपुर के लिए रिलीव कर दिया गया है।

आईजीआरएस में फर्जी निस्तारण का आरोप: पहले दिया संस्तुति, फिर पलट दिया रिपोर्ट

पूर्व विधायक संजय प्रताप ने किया मामले की जांच की मांग,आयुष विभाग की कार्यशैली पर मनोज सिंह ने उठाये सवाल

बस्ती। आयुष विभाग का विवाद अब सिर्फ आरोपों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली पर सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। मानपुर बाबू निवासी मनोज सिंह ने आरोप लगाया है कि क्षेत्रीय आयुष अधिकारी डॉ. जगदीश यादव और आईजीआरएस पटल पर तैनात कर्मचारी विकास सिंह ने पैसे लेकर न केवल भ्रामक रिपोर्ट तैयार की, बल्कि पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन अधिकारियों ने खुद मौके का सर्वे कर प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन को उपयुक्त बताते हुए संस्तुति दी थी, वही अब अपनी ही रिपोर्ट से पलट गए। आखिर ऐसा क्या हुआ कि "सब कुछ ठीक" अचानक "सब कुछ गलत" हो गया? यह यू–टर्न महज लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित खेल की ओर इशारा करता है।आरोप है कि भानपुर तहसील के ग्रामसभा लोढ़वा, नथवापुर में भूमि आवंटन और विभागीय मंजूरी के बावजूद, आते ही बिना स्थलीय निरीक्षण आईजीआरएस पर शिकायत की फाइल निपटा दी गई। इससे साफ संकेत मिलता है कि कागजों में ही पूरा खेल कर दिया गया और जमीनी सच्चाई को दरकिनार कर दिया गया। मामले ने तूल पकड़ लिया है।इस सम्बन्ध में रुधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।मनोज सिंह ने दो टूक कहा है कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो वह न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी अपनी जिम्मेदारी भूलकर योजनाओं को "कमाई का जरिया" बना रहे हैं, जिससे सरकार की मंशा और जनता दोनों के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अब यह मामला प्रशासन के लिए बड़ी परीक्षा बन चुका है, क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी या फिर फाइलों के नीचे दबाकर मामला ठंडा कर दिया जाएगा, यही सबसे बड़ा सवाल है।

रूधौली शाखा निदेशक ने टॉपर से मिलकर दी बधाई।

बस्ती/रुधौली। उमा टेक्निकल डिग्री कॉलेज रुधौली के शाखा निदेशक रोहित शर्मा और बीआरसी एकेडमी रूधौली के निदेशक सुनील शुक्ल एवं प्रबंधक वंदना शुक्ला ने हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में जिला टॉपर साक्षी चौधरी को उनके घर पहुंचकर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साक्षी ने बस्ती जिले में प्रथम स्थान तथा प्रदेश में आठवां स्थान हासिल कर जिले तथा प्रदेश का मान बढ़ाया शाखा निदेशक रोहित शर्मा ने साक्षी के माता को भी बधाई दी और उनकी बेटी की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया।बी आर सी एकेडमी की प्रबंधक वंदना शुक्ला साक्षी और उनके माता से मिलकर बेटी को और आगे जाने की शुभकामनायें दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।साक्षी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता और शिक्षकों को दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

श्री वशिष्ठ धाम महोत्सव में गीत, संगीत की धूम, पुरस्कृत हुये कलाकार

बस्ती। धनुषधारी चतुर्वेदी संगीत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित अजसा कंप्युटर इंस्टिट्यूट द्वारा संचालित श्री वशिष्ठ धाम महोत्सव कार्यक्रम बादशाह हाल सभागार में सम्पन्न हुआ ।आयोजक धनुषधारी चतुर्वेदी ने बताया कार्यक्रम का आडिशन पहले चरण में हुआ था । इस कार्यक्रम में शहर के कलाकारों को एक मंच पर अपनी कला प्रदर्शन करने एक अच्छा अवसर मिला । संयोजक अच्युत शुक्ल ने बताया कि इस कार्यक्रम में नृत्य , संगीत , कला , मॉडलिंग एवं लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुआ ।संगीत में अर्पित भारती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ,नृत्य में आदित्य कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया , लेखन में निधि चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया , कला में अंश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, मॉडलिंग में सैफ अली , वैष्णवी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । निर्णायक मण्डल में शुभम शाहू , शिवेन्द्र पंडित , शिवांश पाण्डेय रहें । कार्यक्रम का संचालन अंजली पाण्डेय , नागेन्द्र शुक्ल ने किया। इस दौरान अतिथि के रूप में प्रवीण कुमार सिंह , भावेश पाण्डेय , मन्नू सिंह , अखिलेश पाठक , मनमोहन श्रीवास्तव , आरती देवी , जया शुक्ला , रवि पटेल , राहुल श्रीवास्तव , डॉक्टर डी के गुप्ता उपस्थित रहे ।

सचिव जिला विधिक प्राधिकरण ने चाइल्ड हेल्प लाइन एवं दत्तक ग्रहण इकाई का किया औचक निरीक्षण, दिया निर्देश

कुशीनगर।। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुशीनगर के सचिव भुवन द्वारा चाइल्ड हेल्प लाइन एवं राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण इकाई का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चाइल्ड हेल्प लाइन में उपस्थित कर्मचारियों से वहां की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी हासिल की तथा इस दौरान चाइल्ड हेल्प लाइन से संबंधित कोई भी बच्चा उपस्थित नहीं रहा। सचिव द्वारा चाइल्ड हेल्प लाइन के सुचारु संचालन हेतु उपस्थित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए। इसके पश्चात राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण इकाई के निरीक्षण के दौरान तीन अनाथ बच्चे, दो बालक एवं एक बालिका पाए गए। इनमें से एक बच्चा लगभग 45 दिनों से, दूसरा लगभग 5 माह से तथा एक बच्चा देवरिया जनपद से प्राप्त होकर बीते 24 फरवरी से इकाई में निवास कर रहा है। इन बच्चों का देखभाल चाइल्ड एजुकेटर एवं आया द्वारा समुचित रूप से की जा रही है।

करोड़ों खर्च, कागजों में पौधारोपण, विभाग की निगरानी पर उठ रहे सवाल

जंगल गायब, जमीनी उजाड़, वन विभाग कटघरे में, तीन साल का पौधरोपण फेल

कुशीनगर। जनपद में हर साल लाखो पौधारोपण कर बेखबर सूरदास बने वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर उठते सवाल अब सीधे विभाग के आला अधिकारी तक जा पहुंचा हैं। तीन वर्षों में लगातार रिकॉर्ड वृक्षारोपण के दावे, करोड़ों रुपये का खर्च और हर बार सफलता के दावे की जब जमीन पर सच्चाई परखी गई, तो तस्वीर बिल्कुल उलट निकली। हरियाली के नाम पर जो कुछ कागजों में खड़ा किया गया। वह धरातल पर कहीं नजर नहीं आता। ऐसे में अब चर्चा सिर्फ निचले कर्मचारियों की लापरवाही तक सीमित नहीं रह गई। बल्कि उंगली सीधे डीएफओ की कार्यप्रणाली पर उठने लगी है।

काबिलेगौर है कि पिछले कुछ वर्षों से कुशीनगर जिले में पौधारोपण अभियानों को बड़े पैमाने पर प्रचारित किया गया। हर साल लक्ष्य तय हुए, संख्या बढ़ाई गई और उपलब्धियों का ढोल पीटा गया। लेकिन जिन जगहों को हरित पट्टी बताया गया, वहां आज भी सूखी जमीन, खाली गड्ढे और बेतरतीब झाड़ियां ही नजर आती हैं।

कई स्थानों पर तो यह स्पष्ट भी नहीं है कि कभी वहां पौधे लगाए भी गए थे या नहीं। यह अंतर दावों और हकीकत के बीच अब महज लापरवाही नहीं, बल्कि गंभीर प्रशासनिक विफलता की ओर इशारा कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल उन पौधों के "जीवित रहने" को लेकर है, जिनके नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। विभाग के पास यह बताने के लिए कोई स्पष्ट और सार्वजनिक आंकड़ा नहीं है कि लगाए गए पौधों में से कितने आज भी जिंदा हैं। सर्वाइवल रेट पर यह सन्नाटा ही पूरे खेल पर संदेह को गहरा करता है। जब परिणाम ही सामने नहीं हैं, तो उपलब्धियों के दावे किस आधार पर किए जा रहे हैं यह सवाल अब आम लोगों के बीच भी उठने लगा है।

फोकस इवेंट मैनेजमेंट—— वन विभाग के अभियानों को लेकर एक और गंभीर आरोप यह भी उभरकर सामने आया है कि विभाग का पूरा फोकस "इवेंट मैनेजमेंट" पर ज्यादा रहता है। पौधरोपण के दिन गड्ढे खोदना, पौधे लगाना, फोटो और वीडियो बनाना, यही पूरा अभियान बनकर रह जाता है। इसके बाद पौधों की देखरेख, सिंचाई और सुरक्षा जैसे जरूरी पहलुओं को लगभग भुला दिया जाता है। परिणाम यह है कि कुछ ही समय में पौधे सूख जाते हैं और अगले साल फिर उसी जमीन पर नया अभियान चलाकर पुराने आंकड़ों को ढक दिया जाता है। जानकार कहते है कि करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद जब जमीन पर हरियाली का कोई स्थायी असर नहीं दिखता, तो वित्तीय पारदर्शिता पर भी सवाल उठना लाजिमी है। गड्ढा खुदाई, पौधों की खरीदारी , मजदूरी और रखरखाव के नाम पर खर्च दिखाया जाता है, लेकिन उसका वास्तविक परिणाम नजर नहीं आता। इससे यह आशंका भी जन्म ले रही है कि कहीं न कहीं इस पूरे सिस्टम में गंभीर अनियमितताएं हो रही हैं, जिनकी जांच अब तक नहीं हो पाई है या जानबूझकर टाली जा रही है।

न कोई कार्रवाई, न अधिकारी पर हुई जिम्मेदारी तय—— सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि तीन वर्षों से लगातार इस तरह की स्थिति सामने आने के बावजूद अब तक न तो किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई और न ही किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की गयी। मजे की बात यह है कि आज तक किसी बड़े स्तर की जांच सामने आई। सवाल यह है कि क्या जवाबदेही तय करने से बचा जा रहा है, या फिर सिस्टम खुद ही अपने भीतर की खामियों को ढकने में लगा हुआ है।

कुशीनगर में जंगलों का सिकुड़ता दायरा—— असफल पौधारोपण और बढ़ते अतिक्रमण अब सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं रह गया है। यह प्रशासनिक जवाबदेही और नेतृत्व की क्षमता का भी बड़ा परीक्षण बन चुका है। जब दावे आसमान छू रहे हों और हकीकत जमीन पर दम तोड़ रही हो, तो सवाल उस कुर्सी तक पहुंचना तय है, जहां से पूरे विभाग की दिशा तय होती है। क्योंकि जिन जमीनों को हरित करने की योजना बनाई गई थी, वहां खेत और निर्माण कार्य होते देखे जा रहे हैं। शिकायतें उठती रही हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर खामोशी बनी रही। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है कि निगरानी तंत्र या तो पूरी तरह निष्क्रिय है या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है। ऐसे हालात में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब जमीन ही सुरक्षित नहीं है, तो पौधरोपण का का उद्देश्य कैसे पूरा होगा।

गुमटी में लगी आसग से मची अफरा तफरी

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र में बाईपास, रेलवे फाटक के पास लकड़ी की गुमटी में अचानक आग लग गई, जिससे अफरा–तफरी मच गई।आग इतनी तेज थी कि आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पानी डालकर किसी तरह आग पर काबू पाने की कोशिश की।सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके के लिए रवाना हुई, लेकिन जाम में फंसने के कारण थोड़ी देर से पहुंची। हालांकि, स्थानीय लोगों की मदद से तब तक आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया था।घटना के दौरान सड़क पर भारी जाम लग गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।गनीमत रही कि इस हादसे में कोई बड़ा नुकसान या जनहानि नहीं हुई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

यूंसीजी अधिनियम के समर्थन में पहुंचने का आह्वान

जौनपुर। अपना दल कमेरावादी जिला इकाई मछलीशहर की मडियाहू विधानसभा की समीक्षा बैठक जोगापुर टावर के पास हुआ । मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व सलाहकार पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पिंडरा राजेश पटेल रहे। विशिष्ट अतिथि प्रदेश सचिव दीनानाथ सरोज समीक्षा बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अवधेश सरोज ने किया । जिला महासचिव नंदलाल पटेल विधानसभा अध्यक्ष मडियाहू श्यामराज पटेल को मनोनीत किया गया व 9 मई को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में होने वाली यूं सी जी अधिनियम लागू कराने के समर्थन में जनपद से ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी को पहुंचने के लिए आवाहन किया गया । जिला अध्यक्ष व्यापार मंच वाराणसी विनोद पटेल पूर्व जिला अध्यक्ष राम सिंगार पटेल जिला उपाध्यक्ष महेंद्र पटेल पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रेश पटेल जिला सचिव तेजलाल पटेल महिला मंच जिला अध्यक्ष रागनी गौतम जिला सचिव सुनील विश्वकर्मा ब्लॉक अध्यक्ष रामपुर कमलेश यादव अशोक पटेल राम अचल पटेल संजय पटेल अजय पटेल भगत पटेल आदि लोगों उपस्थित रहे संचालन जिला मीडिया प्रभारी दीपक कश्यप ने किया।

रोशनबाग में दुकान से कपड़ा एवं नगदी चोरी

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के रोशनबाग स्थित एफआर कॉम्प्लेक्स में व्यापारी की दुकान से कपड़ा एवं नगदी चोरी का मामला प्रकाश में आया है। कपड़ा व्यवसायी वाशरूम गया तो शातिर हजारों के कपड़े एवं नगदी लेकर भाग गये। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। डीसीपी नगर के आदेश पर खुल्दाबाद पुलिस फैजान हसन व उसके तीन से चार अज्ञात साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच में जुट गयी है। शाहगंज स्थित सब्जी मंडी निवासी व्यवसायी असर हसन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 11 अप्रैल दोपहर करीब एक बजे वह दुकान के पास वॉशरूम गए थे। आरोप है कि इसी दौरान फैजान खान अपने तीन–चार अज्ञात साथियों के साथ दुकान में घुस आया और कपड़े का एक झाल व नगदी लेकर फरार हो गया। पीड़ित ने सीसीटीवी कैमरे की जांच की तो आरोपित सीसीटीवी कैमरे में कैद दिखे। पीड़ित ने पुलिस को सीसीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराया है। खुल्दाबाद पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज क्र ली गयी है। सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपितों की तलाश की जा रही है। जल्द ही पकड़ लिया जायेगा।

भीषण गर्मी के बीच डीएम ने गौ आश्रय स्थल का किया औचक निरीक्षण

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह द्वारा विकास खण्ड मसौली अंतर्गत गौ आश्रय स्थल प्यारेपुर सरैया का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंशों के लिए उपलब्ध पेयजल, चारा, छायादार व्यवस्था तथा समुचित संरक्षण संबंधी व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने वर्तमान भीषण गर्मी को देखते हुए गौ आश्रय स्थलों पर पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित रखने तथा गर्मी से बचाव हेतु सभी आवश्यक प्रबंध सुदृढ़ रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि गौवंशों के संरक्षण में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी व्यवस्थाएं संवेदनशीलता के साथ संचालित हों। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि टीन शेड के ऊपर धूप से बचाव हेतु टाट की बोरी नहीं डाली गई थी, जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि गर्मी के मद्देनजर शेडों के ऊपर टाटध्अन्य उपयुक्त सामग्री डालकर तापमान नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे गौवंशों को राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को गौ आश्रय स्थलों की नियमित मॉनिटरिंग, साफ–सफाई, जलापूर्ति एवं पशुओं की समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की मंशानुरूप गौ संरक्षण व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

बाराबंकी। मसौली थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने अपने घर के ऊपर बने कमरे में साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अपने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह पूरा मामला थाना क्षेत्र के तिलपुरा गांव में देर शाम का है। मृतका की पहचान अंजलि उर्फ किरन पत्नी पंकज के रूप में हुई है। अंजलि की शादी करीब 12 साल पहले पंकज से हुई थी। उनके दो बच्चे 9 साल का बेटा प्रतीक और 3 साल की बेटी पंखुड़ी है। मां की मौत के बाद दोनों बच्चे सदमे में हैं। सूचना मिलते ही मसौली थाना प्रभारी अजय प्रकाश त्रिपाठी अपने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तारकोल की कीमत बढने से ठेकेदार परेशानः धरना देकर सौंपा ज्ञापन

बस्ती। अमेरिका –ईरान, इजराइल युद्ध का असर सड़क बनाने वाले तारकोल पर भी पड़ने लगा है। इसे लेकर ठेकेदार परेशान हैं। सोमवार को ठेकेदार एसोसिएशन बस्ती मण्डल के अध्यक्ष रवीन्द्रनाथ मिश्र, महामंत्री गोविन्दनाथ पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयन्त्री सिंह के नेतृत्व में ठेकेदारों ने पी.डब्लू.डी. कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना दिया। मांग किया कि बढे हुये तारकोल एवं अन्य निर्माण सामग्री के मूल्य के आधार पर अतिरिक्त धन का भुगतान कराया जाय।धरने के बाद मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन अधीक्षण अभियन्ता कर्मवीर सिंह को सौंपा गया। अधीक्षण अभियन्ता ने ज्ञापन लेने के बाद कहा कि ठेकेदारों की मांग से शासन को अवगत करा दिया जायेगा। दिशा निर्देश के अनुरूप नियम लागू होंगे।पी.डब्लू.डी. कार्यालय परिसर में आयोजित धरने को रवीन्द्रनाथ मिश्र, गोविन्दनाथ पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य और अमेरिका –ईरान, इजराइल युद्ध को देखते हुये तारकोल ' विटुमिन' के साथ ही निर्माण में काम आने वाले अनेक सामानों की कीमतें बढ गयी है, ऐसे में पुराने दर अनुबन्ध के आधार पर कार्य करना कठिन होता जा रहा है। सरकार और विभाग इसे देखते हुये ठेकेदारों को बढे मूल्य के आधार पर भुगतान सुनिश्चित कराये।धरना और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अजमत, भुवनेश सिंह, वीरेन्द्र पाण्डेय, नागेश सिंह, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, राघवराम यादव, अनूप चौधरी, अखण्ड, राकेश पाण्डेय, उमेश तिवारी, प्रेम सागर गुप्ता, दीना वर्मा, राम नरेश पाठक, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, मनोज तिवारी, सन्तराम चौधरी, हर गोविन्द दूबे, अम्बिका, राजेश, करीम अहमद, हरिशंकर, राजेश गिरी, अमरेन्द्र, विजय यादव, नरेन्द्र सिंह, वी.के. श्रीवास्तव, हरिनरायन दूबे, सुखदेव पाठक, चन्द्रकेश, अनिल, मनीष सिंह, हरिशंकर के साथ ही बड़ी संख्या में ठेकेदार और एसोसिएशन के पदाधिकारी शामिल रहे।

प्रतिज्ञा ने लिख दी साहस की नई इबारत, फतह किया एवरेस्ट बेस कैंप

आंखों में जीत, तिरंगा हाथ में लिए प्रतिज्ञा ने दुनिया को दिया संदेश

कुशीनगर। मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, "पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। देवरिया की बेटी और कुशीनगर के बेलवा गांव की बहू प्रतिज्ञा मिश्रा पर यह पक्तियां सटीक बैठती है। सिंगापुर में आईटी प्रोफेशनल के तौर पर काम करने वाली प्रतिज्ञा ने महज 8 दिनों में 5364 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एवरेस्ट बेस कैंप को फतह कर न सिर्फ अपनी, बल्कि पूरे क्षेत्र की पहचान को नई ऊंचाई दी है।

यह सफर किसी आम ट्रेक की कहानी नहीं, बल्कि जिद, जुनून और जज्बे की मिसाल है। 2 अप्रैल को काठमांडू पहुंच कर 3 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा में प्रतिज्ञा ने लुकला से गोरक्षेप तक के खतरनाक रास्तों को पार किया। –16°C की कंपकंपाती ठंड, आधी होती ऑक्सीजन और हर कदम पर एएमएस का खतरा, ये सब उनके हौसलों के आगे बौने साबित हुए।

हर दिन 8 से 9 घंटे की कठिन चढ़ाई, 10 से 15 किलोमीटर का सफर, और शरीर की सीमाओं से जूझते हुए भी उनका लक्ष्य एक ही था, एवरेस्ट बेस कैंप। 10 अप्रैल को जब प्रतिज्ञा ने वहां तिरंगा लहराया, तो वह सिर्फ एक शिखर नहीं, बल्कि हौसलों की जीत थी।प्रतिज्ञा कहती हैं, "सपने हर कोई देखता है, लेकिन उनमें जान तभी आती है जब आप उन्हें पूरा करने के लिए खुद को झोंक देते हैं।"भावुक प्रतिज्ञा कहती है "मेरा सपना था कि देवरिया और कुशीनगर का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे मुकाम तक पहुंचे। ये सिर्फ मेरी नहीं, हर उस लड़की की जीत है जो बड़े सपने देखने की हिम्मत रखती है।"

दृढ़संकल्प और कडी मेहनत—— कॉरपोरेट जिंदगी की भागदौड़ के बीच इस उपलब्धि को हासिल करना आसान नहीं था। लेकिन सिंगापुर में रहकर की गई तैयारी और मजबूत अनुशासन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। इस ट्रेक में उनके साथ भारत की नेहा और फिलीपींस की जेनिस भी शामिल रहीं, जिन्होंने टीमवर्क का शानदार उदाहरण पेश किया।

गलियों से अंतर्राष्ट्रीय फलक तक का सफर

देवरिया की गलियों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय फलक तक पहुंची प्रतिज्ञा की यह कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि सोच बदलने की भी है। वह अपने पति आशीष मिश्रा के साथ 'दुर्गा फाउंडेशन' के जरिए 3500 से अधिक ग्रामीण बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ चुकी हैं। यानि उनकी उड़ान सिर्फ खुद तक सीमित नहीं, बल्कि दूसरों को भी आसमान देने की कोशिश है। प्रतिज्ञा की उपलब्धियों ने बेलवा गांव से लेकर देवरिया तक जश्न के माहौल मे सराबोर कर दिया है। एक बेटी ने यह साबित कर दिया कि छोटे शहरों की पहचान छोटी नहीं होती, बस हौसले बड़े होने चाहिए। ऐसे मे कहना मुनासिब होगा कि एवरेस्ट बेस कैंप पर तिरंगा थामे खड़ी प्रतिज्ञा की तस्वीर अब एक संदेश के साथ प्रेरणा की प्रतीक बन गयी है।

देवरिया से ग्लोबल मंच तक की प्रतिज्ञा का सफर—— देवरिया में जन्मी प्रतिज्ञा ने अपनी शुरुआती पढ़ाई यहीं से पूरी की और गोरखपुर विश्वविद्यालय से बायोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर किया। इसके बाद उसने आईटी सेक्टर में कदम रखा और आज सिंगापुर में प्रतिष्ठित कंपनी में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

शिक्षकों ने किया रूधौली ब्लाक अध्यक्ष रजनीश मिश्र का स्वागत

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ रूधौली ब्लाक अध्यक्ष रजनीश मिश्र का सोमवार को बीआरसी रूधौली पर शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इसी कड़ी में कौशल किशोर पाण्डेय और दिनेश चन्द्र पाण्डेय को ब्लाक संरक्षक का दायित्व सौंपा गया। ब्लाक अध्यक्ष रजनीश मिश्र ने कहा कि जो दायित्व उन्हें दिया गया है उसका पूरी निष्ठा से पालन करने के साथ ही शिक्षक हितों के लिये संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम में सुशील कुमार उपाध्याय, मो. शकील, गब्बूलाल, योगेश्वर शुक्ल, सच्चिदानन्द गुप्ता, अशोक कुमार, राधेश्याम, ईश्वरदेव शुक्ल, दिनेश सिंह, स्वामीनाथ, आभाकान्त द्विवेदी, प्रतुल पाण्डेय, गौरव द्विवेदी, कृष्ण कुमार शर्मा, संजय कुमार कन्नौजिया, दीपक सिंह, उमाशंकर सिंह, संजय कुमार, डा. विजय लक्ष्मी पाण्डेय, अशोक कुमार, हीरालाल मधुकर, गोरखनाथ, शिवेन्द्र सिंह, अंकित सिंह, अमित, मनोज चौधरी, सुभाष, इन्द्रजीत, भीमसेन के साथ ही अनेक शिक्षक शामिल रहे।

विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार, हत्या से रोषः राज्यपाल को भेजा 6 सूत्रीय ज्ञापन

दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ पीड़ित परिवार को मिले मुआवजा-बैजनाथ शर्मा

बस्ती। गाजीपुर जनपद के करण्डा थाना क्षेत्र के कटरिया गांव में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार के बाद शव को गंगा नदी में फेंक देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष बैजनाथ शर्मा और द अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा जिलाध्यक्ष चौथीराम के नेतृत्व में पदाधिकारियों और विश्वकर्मा समाज के लोगों ने राज्यपाल को सम्बोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।राज्यपाल को भेजे 6 सूत्रीय ज्ञापन में पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के ऊपर हुये हमले के दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किये जाने, निशा विश्वकर्मा के हत्यारों को फांसी की सजा दिलाये जाने, निशा विश्वकर्मा के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा दिलाये जाने, पीड़ित परिवार की सुरक्षा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह आशु के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजे जाने, सीओ सिटी और थानाध्यक्ष करण्डा सहित लापरवाही बरतने वाले सम्बंधित पुलिस कर्मियों को बर्खास्त किये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने के बाद अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष बैजनाथ शर्मा ने कहा कि न्याय न मिला तो विश्वकर्मा समाज चुप नहीं बैठेगा और आन्दोलन को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से हरेश्याम विश्वकर्मा, राम अचल शर्मा, उदयराज विश्वकर्मा, ब्रम्हानन्द शर्मा, श्रीप्रकाश शर्मा, रामरूप शर्मा, जितेन्द्र, बीरू विश्वकर्मा, मुकेश शर्मा, गुलाब शर्मा, सुभाषचन्द्र शर्मा, दीनानाथ शर्मा, जितेन्द्र विश्वकर्मा, रमेश शर्मा, श्रवण विश्वकर्मा, शिवशंकर विश्वकर्मा, संजय शर्मा, मनोज विश्वकर्मा, नन्दलाल विश्वकर्मा, संजय शर्मा, कपिलदेव विश्वकर्मा के साथ ही बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग और पदाधिकारी शामिल रहे।

स्कूली वाहनों की विशेष जांच अभियान में 103 वाहनों की गई जांच

कुशीनगर,। शासन से मिले दिशा निर्देश के क्रम में जनपद में संचालित समस्त स्कूली वाहनों की भौतिक निरीक्षण कर विवरण को यूपीआईएसभीएमपी पोर्टल पर अपलोड किया जाना है। जिसके तहत परिवहन विभाग ने अलग अलग स्थानों पर कैंप लगाकर 103 स्कूली वाहनों का भौतिक सत्यापन किया। इस आशय की जानकारी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ए0आर0टी0ओ0 मो० अजीम ने देते हुए बताया कि आज प्रातः 08रू00 बजे से दोपहर 02रू00 बजे तक जनपद की विभिन्न तहसीलों में चरणबद्ध तरीके से कैम्प का आयोजन किया गया। प्रथम चरण में 26 अप्रैल को आर0डी0 प्रसाद वर्मा, सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक के पर्यवेक्षण में तहसील पडरौना के अन्तर्गत ए0आर0टी0ओ0 कार्यालय रविन्द्रनगर धूस तथा बलवन्त सिंह, यात्री कर अधिकारी के पर्यवेक्षण में कसया तहसील क्षेत्र के लीलावती देवी स्टेडियम कुशीनगर एवं पावानगर महावीर इण्टर कॉलेज फाजिलनगर में कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में कुल 103 स्कूली वाहनों का भौतिक निरीक्षण किया गया। जिनमें से 95 वाहन शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए। जिन्हें यूपीआईएसभीएमपी पोर्टल पर अपलोड किया गया। शेष 08 वाहन मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर संबंधित विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया गया कि वे 03 दिवस के भीतर आवश्यक सुधार कर निरीक्षण हेतु वाहन प्रस्तुत करें। उन्होंने जनपद के समस्त विद्यालयों के स्वामी, प्रबंधक, प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि वे अपने सभी स्कूली वाहनों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संचालित करें। निरीक्षण के दौरान यदि कोई वाहन मानकों के विपरीत पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान एवं वाहन निरुद्ध, बंद करने की कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर बलवन्त सिंह यात्री कर अधिकारी, आर0डी0 प्रसाद वर्मा सम्भागीय निरीक्षक, प्राविधिक, अरविन्द कुमार वर्मा, कफील अहमद, आर0पी0 सिंह, राहुल सिंह, बासुदेव यादव, मुख्तारूल हसन, रंजीत कुमार वर्मा, रमेश मिश्रा, रामसूरत सहित प्रवर्तन दल के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

द केरला स्टोरी 2 की ओटीटी रिलीज डेट बदली, अब फिल्म 8 की जगह 1 मई को जी 5 पर देगी दस्तक

द केरला स्टोरी 2 काफी विवादों में रही थी. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला. अब फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने वाली है. हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अब चेंज हो गई है.

पहले फिल्म 8 मई 2026 को जी 5 पर रिलीज होने वाली थी. लेकिन अब फिल्म की रिलीज को प्री–पोन कर दिया गया है. अब फिल्म 8 की जगह 1 मई को रिलीज होगी. फिल्म को आप हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, मलयालम और तमिल में भी देख पाएंगे.

फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने दुनियाभर में 62.353 करोड़ कमाए. वहीं ग्रॉस 52.94 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ने 88 लाख रुपये से ओपनिंग की थी. इसके बाद पहले हफ्ते में 22.90 करोड़ का कलेक्शन किया. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 17.35 करोड़ की कमाई की. तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 11.13 करोड़ॉ कमाए. चौथे हफ्ते में फिल्म ने 88 लाख कमाए. पांचवें हफ्ते में ये घटकर 31 लाख हो गया. छठे हफ्ते में 17 लाख का बिजनेस किया. सातवें हफ्ते में 12 लाख और आठवें हफ्ते में 6 लाख कमाए. फिल्म ने नेट 52. 94 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को कामाख्या नारायण सिंह ने डायरेक्ट किया. विपुल शाह फिल्म के प्रोड्यूसर थे. फिल्म में अदिती भाटिया, उल्का भाटिया, ऐश्वर्या ओझा, अर्जुन ओजला जैसे स्टार्स थे. ये फिल्म अपने कंटेंट की वजह से विवादों में रही. फिल्म में दिखाया गया कि कैसे कुछ लड़के लड़कियों को प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्म बदलवाते हैं और उन पर जुल्म करते हैं.

ये फिल्म 2023 में आई फिल्म का सीक्वल है. द केरला स्टोरी को बहुत पसंद किया गया था. फिल्म ने धमाकेदार कमाई की और फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी. इस फिल्म में अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सिद्धि इदनानी और सोनिया बलानी जैसी एक्ट्रेस थीं.

रवि तेजा के भतीजे माधव फिल्म मरेम्मा का गहन और भक्तिमय टीजर जारी

अभिनेता रघु के बेटे और मास महाराजा रवि तेजा के भतीजे माधव ने ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित एक्शन–ड्रामा फिल्म मरेम्मा से मुख्य अभिनेता के रूप में सिनेमा में कदम रखा है। ग्रामीण

परिवेश पर आधारित यह फिल्म मंचला नागराज की पहली निर्देशित फिल्म है और इसका निर्माण मयूर रेड्डी बंदारू ने मोक्ष आर्ट्स के बैनर तले किया है। फिल्म के पहले लुक पोस्टर से दर्शकों को काफी प्रभावित करने वाले निर्माताओं ने आज इसका टीजर जारी किया। एक महामारी पूरे गाँव में फैल जाती है, जिससे इंसानों और मवेशियों दोनों की जान चली जाती है। राहत की उम्मीद में, ग्रामीण गाँव की देवी मारेम्मा थाल्ली से प्रार्थना करते हैं और उनसे दैवीय समाधान की कामना करते हैं। कहानी का मुख्य पात्र देवी के पवित्र बैल का रक्षक है – लेकिन एक दिन वह बैल रहस्यमय तरीके से गायब हो जाता है। हालांकि यह माधव की पहली फिल्म है, लेकिन उन्होंने समझदारी से ऐसी कहानी चुनी है जो मौजूदा दर्शकों की पसंद के अनुरूप है। वह पूरी तरह से देहाती लुक में नजर आते हैं और अपने दमदार अभिनय से प्रभावित करते हैं। वाकई, वे नवोदित कलाकार जैसे नहीं लगते। दीपा बालू उनके साथ मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं, जबकि वरिष्ठ अभिनेता विनोद कुमार ने ग्राम प्रधान के रूप में अपनी दमदार छाप छोड़ी है। अपनी पहली फिल्म के लिए निर्देशक मनचरला नागराज ने तेलंगाना में घटी वास्तविक घटनाओं से प्रेरित एक कहानी बुनी है, जिसे एक असली ग्रामीण परिवेश में फिल्माया गया है। छायाकार प्रशांत अंकीरेड्डी ने ग्रामीण वातावरण को बेहद यथार्थवादी ढंग से कैद किया है, और संगीत निर्देशक प्रशांत आर विहारी ने अपने दमदार बैकग्राउंड स्कोर से तनाव को और बढ़ा दिया है। देव राठौड़ संपादक हैं और राजकुमार मुरुगेसन कला निर्देशक हैं। कुल मिलाकर, टीजर ने फिल्म के प्रति उम्मीदें काफी बढ़ा दी हैं। फिल्म निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म मारेम्मा जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दूसरे धर्म में शादी नहीं करेंगी रीम शेख, बोलीं– मैं 5 वक्त की नमाज पढ़ती हूं

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस रीम शेख ने हाल ही में दूसरे धर्म में शादी को लेकर रिएक्ट किया. उन्होंने बताया कि वो फिलहाल सिंगल हैं और दूसरे धर्म में शादी नहीं कर सकती हैं. रीम ने बताया कि वो 5 वक्त की नमाज पढ़ती हैं और दूसरे धर्म के लड़के

के साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी.

रीम शेख ने दूसरे धर्म में शादी को लेकर कहा, मैं अपने धर्म को मानती हूं. पांच वक्त की नमाज पढ़ती हूं. रमजान में रोजे रखती हूं. मैं इसीलिए दूसरे धर्म में शादी नहीं कर सकती. मैं खुदा से दुआ करती हूं और मेरी जिंदगी में जब भी कुछ होता है तो मैं उनके पास ही जातू हूं.

आगे रीम ने कहा, अगर कोई लड़का दूसरे धर्म को फॉलो करता है तो मैं उसके साथ एडजस्ट नहीं कर पाऊंगी. मैं जानती हूं मेरे ऐसा कहने पर मुझे गालियां पड़ेगीं. पर मैं ऐसे किसी लड़के के साथ नहीं रह सकती जो दूसरे धर्म को मानता हो.

रीम ने कहा कि उनके पेरेंट्स की इंटरफेथ मैरिज थी. लेकिन ये शादी चली नहीं थी.

रीम के करियर की बात करें तो उन्होंने 8 साल की उम्र से एक्टिंग करना शुरू किया था. वो शो नीर भरे तेरे नैना देवी में दिखीं. शो में वो देवी लक्ष्मी के रोल में थीं.

इसके अलावा उन्होंने ना आना इस देस लाडो, एक हजारों में मेरी बहना है, मी अज्जी और साहिब, ये रिश्ता क्या कहलाता है, बेस्ट ऑफ लक निक्की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, देवों के देव...महादेव, दिया और बाती हम, तू आशिकी, ए जिंदगी, संकट मोचन महाबली हनुमान, तुझसे है राबता, खतरा खतरा खतरा जैसे शोज किए. पिछली बार उन्हें शो लाफ्टर शेफ में देखा गया था. रीम ने वजिर, गुल मकई, होमबाउंड जैसी फिल्में की हैं.

बॉक्स ऑफिसः भूत बंगला ने टॉयलेट के लाइफटाइम कलेक्शन को पछाड़ा, जानें 9वें दिन अक्षय कुमार की फिल्म ने कितने छापे नोट

अक्षय कुमार की हॉरर–कॉमेडी भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसका पेड प्रीव्यू एक दिन पहले 16 अप्रैल को शुरू हुआ. यह फिल्म 14 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अक्षय के पुनर्मिलन का भी प्रतीक है. दोनों ने पहले हेरा फेरी (2000), गरम मसाला (2005), भागम भाग (2006), भूल भुलैया (2007), दे दना दन (2009), और खट्टा मीठा (2010) जैसी हिट फिल्मों में साथ काम किया था. अब इस लिस्ट में भूत बंगला भी शामिल हो गया है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 9 दिन हो गए हैं. आइए जानें 9वें दिन फिल्म ने कितनी कमाई की है.

प्रियदर्शन की निर्देशित भूत बंगला में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं. उन्होंने अपने कॉमिक अंदाज से फिल्म को बखूबी संभाला है, जो उनके पुराने फैंस के दिलों को छू गया है. उनके साथ स्क्रीन पर एक शानदार कलाकारों की टोली भी नजर आई, जिसमें परेश रावल, राजपाल यादव, वामिका गब्बी, जिस्सू सेनगुप्ता और असरानी शामिल है. इस फिल्म की कास्टिंग में ऐसे कलाकारों को प्राथमिकता दी गई है जो अपनी टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं. इसके जोक्स दर्शकों को हंसाने में पूरी तरह कामयाब रहे हैं.

भूत बंगला ने दर्शकों का दिल जीत लिया है. अच्छी ओपनिंग के साथ, इसने अपने पहले हफ्ते में ही जबरदस्त रफ्तार पकड़ी. भारत में इसकी नेट कमाई पहले ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है. जहां कुछ समीक्षकों ने इसकी कॉमेडी की तारीफ की हैं, वहीं दर्शकों का रिस्पॉन्स भी पॉजिटिव रहा है.

मेकर्स ने रविवार, 26 अप्रैल को भूत बंगला का लेटेस्ट कलेक्शन रिपोर्ट साझा किया है. मेकर्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 134.25 करोड़ रुपये कलेक्शन किया है.

इसी के साथ भूत बंगला ने अक्षय कुमार की हिट फिल्म टॉयलेट– एक प्रेम कथा और राउडी राठौर के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2017 में आई टॉयलेट– एक प्रेम कथा ने 134.22 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन किया था, जबकि राउडी राठौर का लाइफटाइम कलेक्शन 133.25 करोड़ रुपये था.

सैकनिल्क रिपोर्ट के अनुसार, भूत बंगला ने विदेशों में 4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिससे रिलीज के 9 दिनों बाद इसका कुल विदेशी कलेक्शन बढ़कर 41.5 करोड़ रुपये हो गया. वहीं, इसका कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 161.60 करोड़ रुपये रहा.

मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए भूत बंगला से उम्मीद है कि वह विदेशों में 4–5 करोड़ रुपये कमाएगी और 10 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच जाएगी. दूसरी ओर, भूत बंगला के 175 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है. अगर वह यह आंकड़ा छू लेती है तो वह अक्षय की फिल्म जॉली एलएलबी 3 (171.65 करोड़ रुपये) के लाइफटाइम वर्ल्डवाइड कलेक्शन को पीछे छोड़ देगी.

हाथ–पैरों को मजबूत कर सकती है ग्लूट–हैम रेज एक्सरसाइज, इसके दौरान रखें इन बातों का ध्यान

ग्लूट–हैम रेज एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो आपके निचले शरीर और हैमस्ट्रिंग को मजबूत बना सकती है। यह एक्सरसाइज न केवल पैरों को टोन करती है, बल्कि पीठ के निचले हिस्से को भी मजबूत करती है। इसे सही तरीके से करने के लिए कुछ खास बातें जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको ग्लूट–हैम रेज से जुड़ी 5 अहम बातें बताते हैं, जिनसे आप इस एक्सरसाइज का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

सही मुद्रा अपनाएं

ग्लूट–हैम रेज करते समय सही मुद्रा का चयन करना बहुत जरूरी है। आपको अपने पैरों को स्थिर प्लेटफॉर्म पर रखना होगा और ध्यान रखना होगा कि आपके घुटने सीधे रहें। इससे आपकी पीठ के निचले हिस्से पर सही दबाव पड़ेगा और आप इस एक्सरसाइज को बेहतर तरीके से कर पाएंगे। इसके अलावा आपको अपने हाथों को छाती पर क्रॉस करना चाहिए या सिर के पीछे रखना चाहिए, ताकि आप संतुलन बना सकें।

धीरे–धीरे वजन बढ़ाएं

अगर आप पहली बार ग्लूट–हैम रेज कर रहे हैं तो शुरुआत में हल्के वजन का ही चुनाव करें। धीरे–धीरे वजन बढ़ाएं, ताकि आपकी मांसपेशियां इसे सहन कर सकें और चोट का खतरा कम हो। इससे न केवल आपकी ताकत बढ़ेगी, बल्कि आपकी तकनीक भी सुधरेगी। ध्यान रखें कि वजन बढ़ाने की प्रक्रिया धीरे–धीरे हो, ताकि शरीर को उसे अपनाने का समय मिल सके और आप सुरक्षित तरीके से अधिकतम लाभ उठा सकें।

सांसों पर ध्यान दें: ग्लूट–हैम रेज करते समय अपनी सांसों पर ध्यान देना नहीं भूलना चाहिए। ऊपर की ओर उठते समय सांस लें और नीचे की ओर लौटते समय सांस छोड़ें। इससे आपकी एक्सरसाइज ज्यादा प्रभावी होगी और आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। सही तरीके से सांस लेने से आपकी मांसपेशियों पर बेहतर प्रभाव पड़ेगा और आप ज्यादा समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे। इसके अलावा यह आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाएगी और आपको बेहतर परिणाम देगी।

फॉर्म पर ध्यान दें: ग्लूट–हैम रेज करते समय आपका फॉर्म बहुत अहम होता है। आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और कोई भी मोड़ या खिंचाव नहीं होना चाहिए। इसे सही तरीके से करने से न केवल चोट लगने का खतरा कम होता है, बल्कि इससे आपके ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग पर अधिक प्रभाव पड़ता है। सही फॉर्म से आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं और अपनी मांसपेशियों को मजबूत बना सकते हैं।

नियमितता बनाए रखें: किसी भी एक्सरसाइज का पूरा फायदा उठाने के लिए नियमितता बहुत जरूरी होती है। सप्ताह में कम से कम 3 बार ग्लूट–हैम रेज करें, ताकि आपके शरीर को इसकी आदत हो जाए और आप इसके सारे लाभ पा सकें। नियमितता से न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपका संतुलन भी बेहतर होगा। इसके अलावा इससे आपकी सहनशक्ति में भी वृद्धि होगी और आप अधिक समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे।